संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 06
पृष्ठ 8
शनिवार
21 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपका शर्मीलापन कहीं... | विचार- महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर चुनाव का ... | खेल- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले हेजलवुड...

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का दौरा किया, बोले-

विश्वकर्मा योजना सिर्फ सरकारी प्रोग्राम नहीं, भारत के कौशल को जीवित रखने का रोडमैप

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। मोदी ने इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार की आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 1932 में महात्मा गांधी ने छुआछूत के खिलाफ अभियान शुरू किया था। विश्वकर्मा योजना के एक वर्ष पूरा होने का यह उत्सव हमारे विकसित भारत के संकल्पों को नई ऊर्जा देगा। मोदी ने आगे कहा कि मैं इस अवसर पर विश्वकर्मा योजना से जुड़े सभी लोगों, देशभर के सभी लाभार्थियों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क का भी शिलान्यास किया गया है। आज का भारत अपने कपड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार में शीर्ष पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य भारत के कपड़ा क्षेत्र के हजारों साल पुराने गौरव को फिर से स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आज अमरावती में श्पीएम मित्र पार्कश की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश का लक्ष्य है – भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का श्पीएम मित्र पार्कश इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा योजना की एक और विशेषता है। जिस स्केल पर, जिस बड़े पैमाने पर इस योजना के लिए अलग अलग विभाग एकजुट हुए हैं, ये भी अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि देश के 700 से ज्यादा जिलें, 2. 5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत, 5 हजार शहरी स्थानीय निकाय मिलकर इस अभियान को गति दे रहे हैं। मोदी ने कहा कि एक साल में ही 18 अलग–अलग पेशों के 20 लाख से ज्यादा लोगों को इस योजना से जोड़ा गया। सिर्फ साल भर में ही 8 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण मिल चुकी है। अकेले महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिली है। उन्होंने कहा कि अब तक 6.5 लाख से ज्यादा विश्वकर्मा बंधुओं को आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे उनके उत्पादों की क्वालिटी बेहतर हुई है, उनकी उत्पादकता बढ़ी है। इतना ही नहीं, हर लाभार्थी को 15 हजार रुपये का ई–वाउचर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए बिना गारंटी के 3 लाख रुपये तक लोन भी मिल रहा है। मुझे खुशी है कि एक साल के भीतर विश्वकर्मा भाई–बहनों को 1,400 करोड़ रुपये का लोन दिया गया है। यानी विश्वकर्मा योजना हर पहलू का ध्यान रख रही है। विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस और बाद में महा विकास अघाड़ी सरकार ने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने की बजाय उन्हें बदहाली में धकेला, किसानों के नाम पर राजनीति की और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे...जब देवेन्द्र फडणवीस की 2014 में सरकार बनी, अमरावती में टेक्सटाइल पार्क का काम शुरू हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके साथियों ने जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया। हमने कांग्रेस की इस दलित और पिछड़ा विरोधी सोच को सरकारी तंत्र से खत्म कर दिया है।' पिछले एक साल के आंकड़े बताते हैं कि एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोग विश्वकर्मा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

किसी के साथ नहीं होने देंगे अन्याय : योगी

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक, जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। पारिवारिक रिश्तों को लेकर विवाद संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि सबसे पहले इसमें सभी पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने की जरूरत है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा।

आप का आरोप, दिल्ली में बिजली के दाम बढ़ाना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में बिजली के दाम बढ़ाना चाहती है। आप नेता और दिल्ली की प्रस्तावित मुख्यमंत्री आतिशी ने इसको लेकर एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान आतिशी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार ने 5 किलोवाट बिजली कनेक्शन की कीमत 118प्रतिशत बढ़ाकर 7967 रुपये से 17,365 रुपये कर दी है। 1 किलोवाट कनेक्शन के लिए 250प्रतिशत की

बढ़ोतरी। यह उत्तर प्रदेश की वही भाजपा सरकार है जिसने इस गर्मी के मौसम में 8 घंटे की बिजली कटौती की थी और यह बिजली कटौती किसी दूरदराज के गांव में नहीं की जा रही थी, यह 8 घंटे की बिजली कटौती नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद में की जा रही थी। आप नेता ने सवाल करते हुए कहा कि तो बिजली का भाजपा मॉडल क्या है? भाजपा का मॉडल है लंबी बिजली कटौती और सबसे महंगी बिजली। इसलिए दिल्ली की जनता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे फिर से अरविंद केजरीवाल को चुनें और उन्हें दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाएं, नहीं तो जो हम आज उत्तर प्रदेश में देख रहे हैं, महंगी बिजली, लंबी बिजली कटौती, वही देखने को दिल्ली में भी मिलेगा। आपको बता दें कि दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ ही इतिहास के पन्नों पर अंकित हो जाएगा क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद दिल्ली में इस पद पर पहुंचने वालीं वह तीसरी महिला होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा, सिफारिशें दोहराने के बावजूद क्यों लंबित हैं न्यायाधीशों की नियुक्तियां

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित शीर्ष अदालत कॉलेजियम की ओर से बार–बार दोहराए जाने के बावजूद नियुक्ति में कथित देरी मामले की सुनवाई करते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह लंबित सिफारिशों का ब्यौरा उपलब्ध कराये। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने झारखंड सरकार और अन्य की याचिकाओं पर केंद्र सरकार से यह बताने को कहा कि आखिर न्यायाधीशों की नियुक्तियां किस वजह से लंबित हैं। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से इस संबंध में एक चार्ट पेश करने का निर्देश देते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई अगले सप्ताह करेगी। पीठ ने उनसे पूछा, "आप हमें बताएं कि वे नियुक्तियां क्यों नहीं की गई हैं। कौन से मामले दोहराए गए हैं और वे क्यों लंबित हैं।" पीठ ने हालांकि यह भी कहा कि उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की कुछ नियुक्तियां होने की संभावना है। पीठ ने सुनवाई करते हुए टिप्पणियां कीं कि शीर्ष अदालत की कॉलेजियम कोई खोज समिति नहीं है, जबकि सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में अपने ऐसे विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकती है। अटार्नी जनरल ने लंबित सिफारिशों का ब्यौरा उपलब्ध कराने पर सहमति जताई, लेकिन न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर सवाल उठाने वाली रिट याचिकाओं पर प्रारंभिक तौर पर आपत्तियां भी दर्ज कराईं। झारखंड सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्च न्यायालय (झारखंड) के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की सिफारिश लंबित रखी गई।

झारखंड में अमित शाह की हुंकार

घुसपैठिये कांग्रेस और जेएमएम के वोटबैंक

साहिबगंज, एजेंसी। झारखंड चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने आज झारखंड के साहिबगंज में परिवर्तन सभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज यहां से झारखंड के 2024 के चुनाव के लिए भाजपा की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। ये परिवर्तन यात्रा आने वाले दिनों में गांव–गांव में जाएगी, घर–घर तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि परिवर्तन केवल मुख्यमंत्री का नहीं करना है, परिवर्तन केवलश्रडड और कांग्रेस की जगह भाजपा की सरकार लाने का नही करना है। परिवर्तन इस भ्रष्टाचारी सरकार को हटाकर यहां भ्रष्टाचार रोकने वाली सरकार लाने का। परिवर्तन, आदिवासियों की बच्चियों और उनके संस्कार को घुसपैठियों के हाथ तबाह करने वाली सरकार को हटाकर करना है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि किसानों की आय बढ़ाने वाले नरेन्द्र मोदी जी की समर्थन करने वाली सरकार यहां लानी है। मेरे आदिवासी युवा भाई–बहन यहां से देशभर में रोजगार के लिए जाते हैं। इसकी जगह यहां संथाल परगना में रोजगार लाने वाली सरकार यहां लानी है। हम सिर्फ मुख्यमंत्री बदलना नहीं चाहते, हम झारखंड को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की रचना भाजपा के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने की। लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने जन–कल्याण की जगह घुसपैठिया कल्याण अपनाया है। आज पाकुड़ जिले में 'हिंदुओं और आदिवासी झारखंड छोड़ो' जैसे नारे लगते हैं। उन्होंने दावा किया कि आदिवासियों की इस भूमि को केवल और केवल नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा बचा सकते हैं। उन्होंन आरोप लगाया कि घुसपैठिए लालू यादव, श्रडड और राहुल बाबा की कांग्रेस पार्टी का वोटबैंक है। वोटबैंक के डर से ये लोग घुसपैठ नहीं रोकते हैं। उन्होंने कहा कि आप झारखंड की सरकार बदल दो, मैं आपसे वादा करता हूं कि एक एक घुसपैठिए को चुन–चुनकर झारखंड से बाहर निकालने का काम हम करेंगे।

हाईकोर्ट ने सपा नेता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की जमानत अर्जी खारिज की

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के नेता और सपा सरकार में मंत्री रह चुके गायत्री प्रसाद प्रजापति को हाईकोर्ट की लखनऊ ने बलात्कार के एक मामले में जमानत देने से मना करते हुए

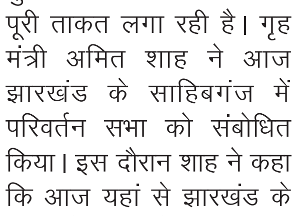

उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। गौरतलब हो, गायत्री प्रजापति दुराचार के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। गायत्री प्रसाद ने हाईकोर्ट में सजा के खिलाफ अपील की है। अपील विचाराधीन रहने के दौरान जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। उक्त अपीलों में जमानत के प्रार्थना पत्रों पर न्यायालय ने 10 सितम्बर को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। दरअसल, 18 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह अभियुक्तों के खिलाफ लखनऊ के थाना गौतमपल्ली में गैंगरेप, जानमाल की धमकी व पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पीड़िता की याचिका पर दिया था। पीड़िता ने गायत्री प्रजापति व उनके साथियों पर गैंगरेप का आरोप लगाते हुए अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी जबरन शारीरिक संबध बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद 18 जुलाई, 2017 को पॉक्सो की विशेष अदालत ने इस मामले में गायत्री समेत सभी सात अभियुक्तों विकास, आशीष, अशोक, अमरेंद्र, चंद्रपाल व रुपेश्वर के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 डी, 354 ए(1), 509, 504 व 506 में आरोप तय किया था।

नक्सली हिंसा से पीड़ित लोगों से मिले शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया है कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर अगले एक से डेढ़ वर्ष में राज्य को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने के प्रति वचनबद्ध है। श्री शाह ने शुक्रवार को यहां अपने आवास पर छत्तीसगढ़ के नक्सली हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद–प्रभावित इलाकों के हिंसा प्रभावित 55 लोग बस्तर शांति समिति के तत्वाधान में केन्द्रीय गृह मंत्री से मिले। गृह मंत्री ने इन लोगों को संबोधित करते हुए आश्वस्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उनके कल्याण तथा क्षेत्र के विकास के लिए योजनाएं बनाकर उनको अमली जामा पहनाएगी।

हरियाणा में केजरीवाल ने शुरू किया चुनावी प्रचार, बोले- आप के बिना राज्य में नहीं बनेगी किसी की सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी हरियाणा चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इसी बीच आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो के साथ हरियाणा में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। यह 11 जिलों में 13 निर्धारित रैलियों में से पहली थी। आपको बता दें कि केजरीवाल की पार्टी आगामी राज्य चुनाव में सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आज केजरीवार ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में कोई भी सरकार आप के बिना नहीं बनेगी। केजरीवाल ने कहा कि मैं यहां खेड़ा मंदिर में हूं... मुझसे कहा गया है कि अगर मैं किसी मंदिर में जाऊंगा तो यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा। इसलिए, मैं यहां फिर से प्रार्थना करने आऊंगा। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा बदलाव मांग रहा है। आप के समर्थन के बिना हरियाणा में सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैंने हिसाब लगा लिया है कि आप कितनी सीटें जीतने वाली है और मुझे पता है कि आप के समर्थन के बिना सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने सवाल किया कि बीजेपी ने आपको क्या दिया? उन्होंने केवल भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई दी है...इस बार पूरा हरियाणा परिवर्तन मांग रहा है। आबकारी नीति मामले में जमानत पर तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

गंगा और यमुना का जलस्तर स्थिर होने के बाद अब सहायक नदियां उफान पर, बाढ़ का खतरा बरकरार

प्रयागराज। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत भरी खबर है। गंगा का जलस्तर फिलहाल स्थिर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार बृहस्पतिवार को भी गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है। अब यहां पर फाफामऊ में गंगा 83.64 मीटर पर बह रही हैं। छतनाग में जलस्तर 82.32 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। नैनी में फिलहाल जलस्तर 82.96 मीटर पर है। जनपद से गुजरने वाली ससुर खदेरी, मनसैता, टोंस, बेलन, गोरमा, लापरी, टुडियारी आदि नदियां भी उफान पर हैं। जिससे इनके किनारे के रिहायशी इलाकों में खलबली मची है। घरों में पानी भर गया है और खेतों में फसलों के ऊपर से पानी बह रहा है। सर्वाधिक नुकसान सब्जियों की खेती को हुई है। तराई इलाकों में बोई गई नेनुआ, भिंडी, तरोई, लौकी, कद्दू, खीरा, करैला आदि सब्जियों के साथ मकई, ज्वार, तिल्ली आदि फसलें बाढ़ से बर्बाद हो गई हैं। जिले में मंगलवार को 11 घंटे में 42.31 मिलीमीटर बारिश हुई। इनमें से करछना और कोरांव के बाद शहर में सबसे अधिक सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच करछना में 72 मिमी बारिश हुई। कोरांव में 62 मिमी और सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। बारा में 33, हंडिया में 23.5, फूलपुर में 10 तथा सोरांव में 15 मिमी बारिश हुई। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर थी। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया था। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा था। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए। सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया था। बाढ़ का खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। नदियां उफान पर हैं तो करीब एक मीटर की गिरावट के बाद जलस्तर फिर स्थिर हो गया है। यानी, गिरावट थम गई है। इससे बाढ़ में फंसे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रशासन ने भी घर जाने के लिए तैयार लोगों को राहत शिविरों में रोक लिया है। गंगा और यमुना का जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार करने के बाद खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। इससे बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में आ गया है। बघाड़ा, सलोरी, बेली कछार, राजापुर, गंगानगर, नेवादा समेत अनेक मोहल्लों के हजारों मकान डूब गए हैं। इस वजह से बड़ी संख्या में लोगों को घर छोड़कर अपने रिश्तेदारों के यहां जाना पड़ा था। 395 परिवार के 1696 लोग तो प्रशासन की ओर से बनाए राहत शिविरों में पहुंचे हैं। बाढ़ का खतरा तो बना हुआ है लेकिन सोमवार दोपहर से जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की जाने लगी थी। लेकिन बुधवार शाम को जलस्तर में गिरावट फिर थम गई। हालांकि, बढ़ोतरी भी दर्ज नहीं की गई। बताया जा रहा है कि गंगा और यमुना की सहायक नदियों में पानी तेजी से आ रहा है। इसके अलावा पहाड़ों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज बारिश का क्रम जारी है। इससे नदियों के जलस्तर में गिरावट रुक गई है। इसी के साथ इसमें एक बार फिर बढ़ोतरी की आशंका बन गई है। इसके अलावा नदियों में बहाव भी काफी तेज है। इससे बाढ़ में फंसे लोगों की मुसीबत बढ़ गई है। साथ ही परेशानी लंबी खिंचती दिख रही है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनय कुमार सिंह ने बताया दो दिनों में पानी एक मीटर से ज्यादा नीचे आ गया था। पानी छोड़े जाने की अभी सूचना नहीं है। बारिश एवं सहायक नदियों का ही पानी आ रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि दो–तीन दिनों में पानी निकल जाएगा। राजापुर के बाढ़ पीड़ितों के लिए ऋषिकुल विद्यालय में बने राहत शिविर में बुधवार को राशन किट का वितरण किया गया। जलस्तर में कमी के बाद कई लोगों के मकान से पानी निकल गया है। ऐसे परिवार अपने घर जाने लगे। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से ऋषिकुल में राहत किट का वितरण किया गया। विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने 62 बाढ़ पीड़ितों को राशन किट वितरित किए। किट में 10 किग्रा चावल, 10 किग्रा आटा, 10 किग्रा आलू, दो किग्रा अरहर की दाल, एक लीटर तेल, हल्दी, मसाला, नमक, मिर्च, लाई, भुना चना, तिरपाल, माचिस, मोमबत्ती, गुड, बिस्किट, साबुन आदि सामग्री रखे गए हैं। इस मौके पर एसडीएम सदर अभिषेक ने शिविरों में लोगों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। प्रशासन की ओर से राहत शिविरों के अलावा बाढ़ में फंसे लोगों को तक भी नाव से खाने के पैकेट पहुंचाए गए। इस दौरान पार्षद भोला तिवारी, कमलेश तिवारी आदि मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व संयोजक डा. एलएस ओझा ने बुधवार को सिविल डिफेंस के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच जाकर राहत सामग्री का वितरण किया। छोटा बघाड़ा, सलोरी आदि इलाकों में वह गए। इस दौरान एनी बेसेंट स्कूल में बने राहत शिविर में भी मेडिकल कैंप भी लगाया। वहां उन्होंने डा. शशांक ओझा के साथ शिविर में बीमार लोगों को उचित परामर्श देने के साथ ही दवा का भी वितरण किया। डा. ओझा ने दूध, ब्रेड, लाई चना एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं बाढ़ पीड़ितों को मुहैया कराई। इस अवसर पर राम प्रभाकर शुक्ला, यादवेंद्र मिश्रा, बलियान त्रिपाठी, बबलू पांडेय, ज्ञानेश्वर शर्मा, सुनीता शर्मा, वंदना उपाध्याय आदि की मौजूदगी रही। बाढ़ की वजह से फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है। गंगापार में सब्जी की बड़े पैमाने पर खेती होती है लेकिन बाढ़ की चपेट में आने से पूरी फसल चौपट हो गई है। इसके अलावा फूलपुर, हंडिया, करछना में अन्य फसलों को भी काफी नुकसान हुआ। इस नुकसान का किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। इस बाबत नुकसान का सर्वे कराने का निर्णय लिया गया है।

वीरांगना अहिल्याबाई पर व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश लोक एवं संस्कृति संस्थान लखनऊ,इलाहाबाद डिग्री कॉलेज प्रयागराज एवं संस्कार भारती प्रयागराज विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर आयोजित व्याख्यान,अभिनन्दन एवं गायन कार्यक्रम में अतिथिगण द्वारा दीप–प्रज्वलन पश्चात विश्वविद्यालय इकाई के कलाकरों द्वारा डा0 शुचि तिवारी की अगुवाई में ध्येयगीत–गायन के पश्चात इकाई की अध्यक्ष डा0 इन्दु शर्मा ने समस्त अतिथिगण का शब्द–सुमनों से स्वागत किया ।स्वागत के इस क्रम में संगीत नाटक अकादमी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो0 जयन्त खोत की अध्यक्षता में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल,चौयरमेन गवर्निंग बॉडी एडीसी,विशिष्ट अतिथि प्रो0 अतुल कुमार सिंह प्राचार्य एडीसी,ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष डा0 सुनील विश्वकर्मा तथा सदस्य ज्ञानेश चन्द्र पाण्डेय,पं0 ललित कुमार,डा0 ज्योति सिन्हा,डा0 ज्योति मिश्रा,व्याख्यानकर्ता डा0 धनंजय चौपड़ा एवं प्रतिष्ठित गायक बनारस विश्वविद्यालय के संगीत विभाग अध्यक्ष डा0 रमाशंकर का संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई के अध्यक्ष डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा अंग–वस्त्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया ।धनंजय चौपड़ा के प्रयागराज के सांस्कृतिक उत्थान में वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर का योगदान विषय पर अपने सारगर्भित व्याख्यान के पश्चात डा0 राम शंकर ने अपने गायन से श्रोतादीर्घा को आल्हादित कर दिया। प्रयागराज के दीपक साव ने तबले,हारमोनियम पर सिद्धार्थ मिश्रा एवं तानपुरे पर ईशान घोष ने संगत की। विश्वविद्यालय इकाई की अध्यक्ष तनूजा तिवारी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया ।कार्यक्रम का संचालन डा0 राजेन्द्र त्रिपाठी रसराज ने किया ।इस अवसर पर रसराज जी द्वारा सम्पादित संगीत के संस्कृत ग्रन्थों में अवनद्ध वाद्यों की परम्परा और विकासश पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में संस्कार भारती काशी–प्रांत के संगठन मंत्री दीपक शर्मा, सुशील कुमार राय, प्रेमलता मिश्रा, रवीन्द्र कुशवाहा, डा0 सचिन सैनी, मनोज गुप्ता, जिला इकाई अध्यक्ष गिरजा शंकर मिश्र तथा अनूप बनर्जी, मनीष तिवारी, विभव शंकर मिश्र, डा0 सुरेन्द्र कुमार, श्रेया श्रीवास्तव, विवेक विशाल, डा0 सौरभ कौशल,आलोक मिश्र, संस्कार भारती प्रयागराज की तीनों इकाईयों के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य तथा आजमगढ़ के अध्यक्ष डीपी तिवारी, शिक्षकगण, छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

सड़कों पर नहीं रुकेगा ट्रैफिक, नए सिरे से होगा विकास, जर्मनी की संस्था ने किया सर्वे

प्रयागराज। शहर की सड़क पर गड्ढे और जाम इन दिनों सबसे बड़ी समस्या है। ऐसे में महाकुंभ में आने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन का पूरा जोर यातायात प्रबंधन पर है। इस कवायद के तहत सड़क चौड़ीकरण, नए फ्लाईओवर का निर्माण समेत कई काम कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में 40 चौराहों को नया रूप देने की योजना बनाई गई है। इन चुनिंदा 40 चौराहों की बनावट होगी कि वाहन स्वतरू आगे बढ़ते जाएंगे। यातायात नहीं रुकेगा। इतना ही नहीं, पुलिस की भी आवश्यकता नहीं होगी। कई जगहों पर तो सिग्नल लाइट की व्यवस्था भी नहीं रहेगी। इसके तहत नए रोटरी का निर्माण, चौराहों का दायरा बढ़ाने समेत कई कार्य कराए जाएंगे। गोल चौराहा के चारों तरफ आईलैंड या डिवाइडर बनाए जाएंगे, ताकि वाहन अपने मार्ग पर बिना किसी बाधा के आगे बढ़ते जाएं। जेब्रा लाइन, चौराहों से पहले स्लोप आदि भी ऐसी जगह बनाए जाएंगे जहां से सिग्नल पर स्वतरू नजर पड़ती रहे। जहां जरूरत नहीं है वहां से सिग्नल भी हटाए जाएंगे। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि चौराहे चिह्नित कर लिए गए हैं। टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निगम चौराहों का नए सिरे से निर्माण कराएगा। बिना बाधा यातायात के लिए शहर का सर्वे कराया गया।

दरोगा ने पकड़ने के लिए दौड़ाया तो युवक ने फांसी लगाकर दी जान, डेढ़ माह पहले छूटकर आया था जेल से

प्रयागराज। पुलिस चौकी इंचार्ज ने पकड़ने के लिए दौड़ाया तो युवक ने घर में जाकर फांसी लगाकर जान दे दी। एक युवती के अपहरण के मामले में वह डेढ़ माह पहले ही जमानत पर छूट कर जेल से बाहर आया था। इसके बाद पुलिस उसको फिर किसी दूसरे मामले में खोज रही थी। एक सप्ताह पहले भी पुलिस उसे थाने ले गई थी और दिन भर बैठाने के बाद छोड़ दिया था। आरोप है कि पुलिस उस पर उस युवती के साथ शादी करने का दबाव बना रही थी जिसके अपहरण के आरोप में वह जेल गया था। औद्योगिक थाना क्षेत्र के पुरापांडेय सड़वा गांव निवासी अरविंद प्रजापति (22) पुत्र महेंद्र प्रजापति ने बृहस्पतिवार को अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर जब तक उसके पास पहुंची उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों का आरोप है कि अरविंद काम पर से वापस आ रहा था। चौराहे के पास पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। इसके बाद वह भागते हुए घर पहुंचा और अपने कमरे में जाकर फंदे से झूल गया। उसके पीछे पीछे पुलिस भी घर पहुंची। पुलिस दरवाजा तोड़कर जब तक कमरे में घुसी उसका शव फंदे से लटक रहा था। एक युवती के अपहरण के आरोप में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। डेढ़ माह पहले वह जमानत पर रिहा होकर बाहर आया था। इसके बाद पुलिस फिर उसको पकड़ने के लिए आएदिन दबिश दे रही थी। अक्सर पुलिस उसको पकड़ने के लिए उसके घर पर पहुंचती थी। इससे वह काफी परेशान हो गया था। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उत्पीड़न से तंग आकर उसने आत्मघाती कदम उठाया है। एसीपी करछना वरुण कुमार ने बताया कि परिजनों का आरोप गलत है। मृतक के भाई ने खुद चौकी पर आकर घटना की जानकारी दी थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ के युवक के शव को फंदे से उतरा था। मृतक के भाई ने बताया कि वह नशे में था जिसे लेकर मां और बहन ने उसको डांटा फटकार लगाई थी। इससे नाराज होकर उसने आत्महत्या कर ली है। परिजनों ने घटना की जानकारी लिखित रूप से पुलिस को दी है।

जिला कारागार में शिफ्ट किए गए भदोही सपा विधायक जाहिद बेग, नंगे पैर कोर्ट में किया था सरेंडर

प्रयागराज। नाबालिग नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने सहित दो मुकदमों में नामजद किए गए भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग को नैनी स्थित जिला जेल में शिफ्ट किया गया है। उनका यह स्थानांतरण प्रशासनिक आधार पर किया गया है। शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें भदोही से नैनी लाया गया। विधायक ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया है। उन्हें जेल की क्वारंटीन बैरक में उन्हें रखा गया है। जिला कारागार की वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे ने बताया कि भदोही विधायक जाहिद बेग को क्वारंटीन बैरक में रखा गया है। जेल मैन्युअल के अनुसार उनको सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग को नैनी स्थित जिला कारागार में रखा गया है। फिलहाल कुछ दिनों तक वह क्वारंटीन बैरक में रहेंगे। नैनी सेंट्रल जेल में सिर्फ सजायाफ्ता कैदियों को रखा जाता है। विचाराधीन और न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजे गए कैदियों को जिला कारागार में रखा जाता है। बता दें कि नाबालिग नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने सहित दो मुकदमों में नामजद किए गए सपा विधायक जाहिद बेग बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे सीजेएम कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचे थे। दोपहर 12.05 बजे एक गाड़ी न्यायालय के गेट नंबर–दो के पास आकर रुकी। गाड़ी में प्रयागराज के शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी संदीप यादव अपने वकीलों के साथ बाहर आए। वह सपा विधायक जाहिद बेग को लेकर तेजी से न्यायालय परिसर की ओर बढ़े। पुलिस कर्मियों ने गेट पर ही विधायक को पकड़ने का प्रयास किया। विधायक और पुलिसकर्मियों के साथ कहासुनी और धक्कामुक्की हुई। यह देख कर अधिवक्ता सामने आ गए और पुलिसकर्मियों से उनकी बहस होने लगी। इसका फायदा उठाकर विधायक तेजी से सीजेएम कोर्ट की ओर बढ़ गए। फिर, दौड़ते हुए कोर्ट रूम में घुस गए। अधिवक्ताओं के चेंबर से न्यायालय परिसर में दाखिल होने के दौरान भी पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया।

नदियों-तालाबों के पानी को जहर बनातीं दर्द निवारक दवाओं का सिंघाड़े से होगा शोधन

प्रयागराज। इंसानों और पशुओं को दी जाने वाली दर्द निवारक दवाओं (डाइक्लोफेनेक) से नदियों और तालाबों के पानी में घट रही ऑक्सीजन का इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने निदान खोज निकाला है। इनका सिंघाड़े के छिलके और मॉडीफाइड आयरन से तैयार जल शोधक डाइक्लोफेनेक के घातक असर को 97 फीसदी तक घटा सकता है। यह शोध पत्र जर्मनी के एनवायरमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च ने भी प्रकाशित किया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में पर्यावरण अध्ययन केंद्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरनजीत प्रसाद के मुताबिक इंसानों में ही नहीं, पशुओं को भी दर्द निवारक के रूप में

डाइक्लोफेनेक दवा दी जाती है। यह दवा शरीर से निकले अपशिष्ट के साथ नदियों–तालाबों तक पहुंच कर वहां के पानी में मौजूद शैवालों (एल्गी) में प्रकाश संश्लेषण को बाधित कर रही है। इससे पानी में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है। इसका समाधान तलाशने के लिए प्रो. सुरनजीत प्रसाद के निर्देशन में उनकी शोधार्थी अमरीन बानो ने काम शुरू किया। प्रो. सुरनजीत बताते हैं कि डाइक्लोफेनेक दवा दर्द दूर करती है, लेकिन मरीज की रोगों से लड़ने की क्षमता में भी कमी लाती है। शरीर से अपशिष्ट के साथ निकली यह दवा नालों के जरिये नदियों और तालाबों तक पहुंच रही है। इसे भूजल में भी पाया जा चुका है। डाइक्लोफेनेक का घातक असर कृषि उत्पादन, वनस्पतियों और मछलियों तमाम जलीय जीव–जंतुओं पर भी देखने को मिला है। इससे पूरा इको सिस्टम छिन्न–भिन्न होता जा रहा है। प्रो. सुरनजीत के मुताबिक नदियों और तालाबों के पानी की जांच में केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), अमोनिया, नाइट्रेट, फॉस्फेट, डाइक्लोफेनेक जैसे तत्व अलग–अलग मात्रा में मिले। इस पानी को सिंघाड़े के छिलके और मॉडीफाइड आयरन से तैयार जल शोधक का इस्तेमाल करके दोबारा परखा गया। इसमें सीओडी की मात्रा 92.50 फीसदी, अमोनिया की 86.41, नाइट्रेट की 77.51, फॉस्फेट की 84.54 और डाइक्लोफेनेक की मात्रा 97.5 फीसदी तक कम पाई गई। गिद्ध के लुप्त होने के पीछे भी वैज्ञानिक डाइक्लोफेनेक को ही जिम्मेदार मानते हैं। डाइक्लोफेनेक एक नॉनस्टेरॉइडल एंटी– इंफ्लेमेटरी ड्रग है, जो हल्के या मध्यम दर्द के इलाज में दी जाती है। यह जोड़ों के दर्द, सूजन अथवा गठिया पीड़ित मरीजों को काफी राहत देती है। प्रो. सुरनजीत के अनुसार पशुओं को दर्द निवारक दवाओं की काफी अधिक डोज दी जाती है। ऐसे बीमार पशुओं की 15–20 दिन के अंदर मौत होने पर अगर गिद्ध उसका मांस खा लेते हैं तो उनकी भी जान चली जाती है। कारण यह कि डाइक्लोफेनेक का हल्का डोज भी गिद्धों के लिए जहर सरीखा है। इविवि के वैज्ञानिकों के शोध में यह तो पता चल गया कि डाइक्लोफेनेक जैसी दर्द निवारक दवाएं पूरे इको सिस्टम को बुरी तरह प्रभावित कर रहीं हैं, लेकिन यह किस जीव को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं,

आज के दिन ही हुआ था मुंशी प्रेमचंद का परताबगढ़ में आगमन

मुंशी प्रेमचंद की विरासत को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं बेल्हा के कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम'

प्रतापगढ़। यथार्थ कहानियों के जनक, संवेदनशील कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद बहराइच से पांचवें अध्यापक के रूप में 124 वर्ष पूर्व आज के दिन ही 21 सितंबर 1900 को जिला विद्यालय (डिस्ट्रिक्ट नॉर्मल स्कूल)वर्नाक्यूलर स्कूल में आए, जहां आज राजकीय बालिका इंटर कालेज मौजूद है। उस समय वहां के प्रिंसिपल सिप्टेन रोड निवासी जानकी प्रसाद निगम थे स ताला कोठी में रहने के दौरान ही मुंशी

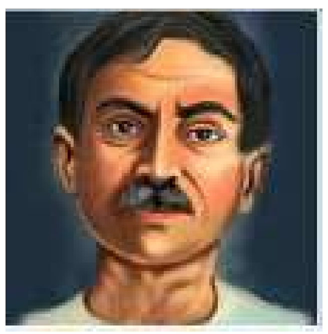

प्रेमचंद ने लेखन की शुरूआत किया था स मुंशी दया नारायण निगम को लिखे एक पत्र से इस बात की पुष्टि होती है,जिसमें उन्होंने लिखा था श्मेरी लिटरेरी जिंदगी 1901 में शुरू हुई स श्प्रेमचंद के साहित्यिक जीवन पर बेल्हा के परिवेश का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है स श्प्रतापगढ़ में प्रेमचंदश नामक शोध ग्रंथ लिख रहे बेल्हा के प्रमुख कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश अमर साहित्यकार प्रेमचंद के परताबगढ़ आगमन के 124 वर्ष पूरे होने पर उन्हें याद कर गर्व की अनुभूति करते हैं स प्रेम कुमार मुंशी प्रेमचंद से प्रेरित होकर अब तक लगभग डेढ़ सौ कहानियां तथा एक उपन्यास चुके हैं स वे प्रेमचंद की विरासत को आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं।

आरेडिका में राजभाषा पखवाड़ा की शुरूआत

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक 14.09.2024 से 27.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक काम करने में प्रेरित करने के उद्देश्य से मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रूपेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों

का आयोजन होगा, जिसमें कर्मचारी एवं अधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों जैसे– हिंदी कार्यशाला, उपन्यास सम्राट प्रेम चन्द पर साहित्यिक व्याख्यान, निबंध लेखन, राजभाषा शब्दावली अनुवाद, वाक् प्रतियोगिता, प्रारूप एवं टिप्पणी लेखन कवि सम्मेलन आदि के माध्यम से हिंदी में अपनी रुचि का परिचय देंगे।

महाप्रबंधक महोदय, श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि, राजभाषा के रूप में हिंदी को विकसित करने में आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं तथा राजभाषा विभाग पाठकों को बेहतर पाठन सामग्री उपलब्ध करा रहा है। जिससे राजभाषा के विकास में मदद मिल रही है।

आगे इसी कडीघ में राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दिनांक–19.09.2024 को राजभाषा शब्द अनुवाद एवं तकनीकी शब्दावली तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शब्द अनुवाद एवं तकनीकी शब्दावली में 27 प्रतिभागियों ने तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में 18 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

पमरे के तीनों मंडलों में चलाया गया सघन संरक्षा अभियान

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन के प्रति कृत संकल्पित है एवं रेल सञ्चालन को दुरुस्त किये जाने हेतु संरक्षा अभियान निरंतर चलाये जाते हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा विगत माह में जारी किये गए सर्कुलर तथा सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन के मद्देनजर मंडल एवं मुख्यालय के समस्त विभागों के उच्चाधिकारी, अधिकारी एवं सुपरवाईजरों द्वारा संरक्षा से सम्बंधित विभिन्न विषयोंध्क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर संरक्षा अभियान चलाने के निदेश दिए गए। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत 'दिनांक 31 जुलाई से 31 अगस्त' तक सघन संरक्षा अभियान चलाया गया जिसमे निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दिया गया : –

– संरक्षा सम्बन्धी एसेट्स का रखरखाव
– ट्रैक एवं पॉइंट एवं क्रासिंग अनुरक्षण
– फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण एवं काउन्सलिंग
– ट्रेन तथा शंटिंग ऑपरेशन के दौरान निर्धारित नियमों की अनुपालना
– वर्कसाईट तथा व्यक्तिगत सेफ्टी नियमों की अनुपालना
– स्टेशनों तथा रेल खण्डों का रात्रि पायदान निरीक्षण एवं रात्रि निरीक्षण
– लोको पायलट्स ध क्रू स्टाफ के ड्यूटी घंटे
– औचक / अम्बुश निरीक्षण
– रोड ओवर ब्रिज, पैदल पुल, वाटर टैंक, छतों एवं अंडरपासों का सघन निरीक्षण इत्यादि

उल्लेखनीय है कि अगस्त माह में चलाये गए इस सघन संरक्षा अभियान में पश्चिम मध्य रेल के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों एवं सुपरवाईजरों द्वारा 'जबलपुर मंडल से 2273, भोपाल मंडल से 2687 एवं कोटा मंडल से 2094 निरीक्षण' किये गए एवं इस प्रकार 'एक माह में कुल सात हजार से भी अधिक निरीक्षण' किये गए ᑊ इस संरक्षा अभियान के दौरान निरीक्षण में पाई गयी अनियमितताओं की अनुपालना भी सुनिश्चित कर ली गयी हैं।

हाईकोर्ट ने पीडब्लूडी से पूछा :

निजी जमीन पर सड़क बनाएंगे तो क्या मुआवजा नहीं देंगे, ध्वस्तीकरण पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ मेले के पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता से पूछा है कि निजी जमीन पर सड़क बनाएंगे तो क्या मुआवजा नहीं देंगे। कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी से 25 सितंबर तक जवाबी हलफनामा दाखिल कर जवाब देने को कहा है। तब तक याची के किसी भी निर्माण के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी है ।यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ ने फूलपुर तहसील के कोटवा निवासी अभिषेक उपाध्याय व दो अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याची की दलील है कि उसके पुराने चक पर महाकुंभ के लिए सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। पिछली चकबंदी में कोई सड़क दर्ज नहीं थी। वहां सड़क नहीं है।

हिंदी दिवस समारोह समिति तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सौजन्य में आयोजित तीन दिवसीय हिंदी दिवस समारोह संपन्न

विश्वनाथ। हिंदी राष्ट्र एकता का माध्यम बने तथा हिंदी जन –जन की भाषा बने इसी उद्देश्य में संग्लन हिंदी दिवस समारोह समिति तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय हिंदी दिवस समारोह का आज भव्य समापन की। सर्वप्रथम विश्वनाथ चारिआलि के राष्ट्रीय विद्यालय कोसगाँव में आज समापन समारोह तथा मूल सभा का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता हिंदी दिवस समारोह समिति तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने की।इसके बाद अतिथियों को मंचासीन कराया और फूलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस समारोह समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने सभा की उद्देश्य व्याख्या की। विद्यार्थी द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दिया गया । तत्पश्चात् कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मद्धेशिया वैश्य महासभा विश्वनाथ के महासचिव नागेश कुमार गुप्ता,विश्वनाथ कृषि विभाग के सेवानिवृत्त सह निदेशक मदन गोपाल साहू और विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा ने हिंदी भाषा के महत्त तथा वर्तमान वैश्विक स्तर पर हिंदी की स्तर पर सारगर्भित व्याख्यान दीघ। इसके बाद छात्रा मंदाकिनी यादव ने ज्योति संगीत प्रस्तुति दी और छात्र– छात्राओं द्वारा देशभक्ति नृत्य का झाकियां भी दिखाई गई। विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सचिव व हिंदी दिवस समारोह

समिति के सह सचिव संतोष कुमार महतो के संचालित सभा में सभा के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह तथा राष्ट्रभाषा विद्यालय एम. ई. के प्रधानाचार्य रामचंद्र ठाकुर को विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडे ने हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर माननीय गृहमंत्री जी का संदेश पत्र और राजभाषा हीरक जयंती विशेषांक स्मारिका ग्रंथ अर्पण किया गया। इसके बाद हिंदी भाषा से संबंधित आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त विजयी को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंत में सभा के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने अध्यक्षीय भाषण संबोधित करते हुए सभी हिंदी प्रेमी को हिंदी दिवस की हीरक जयंती का बधाई दी और गृहमंत्री जी के हिंदी दिवस 2024 संदेश का उपस्थित अतिथि तथा विद्यार्थी को साझा किया। उन्होंने कहा वर्तमान विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र में हिंदी की महत्ता निरंतर बढ़ती जा रही है। एक दिन हिंदी राजभाषा के स्थान जरूर राष्ट्रभाषा स्थापित होगी। अंत में हिंदी दिवस समारोह समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन की और एक साझा तस्वीर के साथ सभा भंग की। इस मौके पर हिंदी दिवस समारोह समिति के उपाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर,सह सचिव क्रमशः बजरंग रौनियार, संतोष कुमार महतो, प्रतियोगिता संचालक सूर्यनारायण पांडे, सह संचालक विरेंद्र प्रसाद शर्मा, सांस्कृतिक सचिव रवींद्र नाथ गुप्ता,सलाहकार राम प्रकाश राय, गौरीकांत झा, दीपा लोधी, केदार राम, राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के अध्यापिका राखी बर्धन, राष्ट्रीय विद्यालय एम ई. शिक्षिका माधुरी भुयाँ , निवेदिता शइकीया, पूरबी बोरा, शिक्षक तोफिक अहमद आदि और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य –सदस्या और असंख्य छात्र– छात्रा उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर (शुक्रवार) को विद्यार्थी के बीच कविता आवृत्ति, राष्ट्रभाषा हिन्दी की महत्ता और देशभक्ति गीत एवं भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विचारक के रूप में शिक्षिका राखी बर्धन, निकिता सौरभ, राधिका यादव मौजूद थी। 14 सितंबर(शनिवार) को राष्ट्रीय विद्यालय में प्रातः 9रू30 बजे हिंदी दिवस समारोह समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। उपस्थित हिंदी प्रेमी ने एक –दूसरे को हिंदी दिवस की बधाई दी। अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने हिंदी दिवस की तात्पर्य पर प्रकाश डाला। हिंदी दिवस समारोह समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने सभी के प्रति आभार जताते हुए कार्यक्रम की समापन की।

नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी...

प्रयागराज। प्रयागराज के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने हेतु श्री चन्द्र मोहन गर्ग, नगर आयुक्त प्रयागराज द्वारा आदेशित किया गया। उक्त आदेश के क्रम में श्री नवनीत शंखवार, जोनल अधिकारी, जोन–3 व श्री संजय ममगई, जोनल अधिकारी, जोन संख्या–4 द्वारा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी। जिसके दृष्टिगत जोन संख्या–3 के अन्तर्गत सलोरी स्थित अमिताभ बच्चन पुलिया, कमला नगर, राजापुर, बेली कालोनी,, नेवादा मलीन बस्ती, कछार, गंगा नगर गली नम्बर–21 एवं जोन–4 के अन्तर्गत छोटा बाघड़ा की विभिन्न गलियों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुये कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में व्याख्यान का हुआ आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से शुक्रवार को महाविद्यालय के स्नातक, परास्नातक एव के लिए 'प्रोफेशनल कम्युनिकेशन' पर व्याख्यान आयोजित किया गया ।प्राचार्य सी .एम.पी. महाविद्यालय प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के निर्देशानुसार तथा कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजिका डॉक्टर रुचिका वर्मा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम की वक्ता कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सदस्य डॉक्टर अर्चना राजे ,असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल विभाग ने 'ई–मेल'के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में डॉक्टर शर्मिला श्रीवास्तव ,कैरियर काउंसलिंग सेल की सदस्य एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर ने 'प्रभावशाली कवर लेटर कैसे लिखा जाए' इस पर व्याख्यान दिया । अंत में कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सदस्य एवं अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर खुशबू अग्रवाल ने सी.वी. की रचना कैसे की जाती है इस पर अपना व्याख्यान दिया । कार्यक्रम का संचालन कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉक्टर सत्येंद्र कुमार ने किया । कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉक्टर प्रणय कांत विश्वास मौजूद रहे । प्रोफेशनल कम्युनिकेशन वर्कशॉप में भारी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करके इसका लाभ लिया।

स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर के मध्य चलाए जा रहे "स्वच्छता ही सेवा अभियान–2024" के अन्तर्गत स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता शपथ दिलाते हुए विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. आदेश कुमार ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और चिन्तनशील भी। इसी चिन्तन के कारण हम स्वच्छ रहना चाहते हैं। हमें भौतिक और मानसिक दोनों तरीकों से स्वच्छ रहना चाहिए।स्वच्छता मनुष्यता का आभूषण है। कूड़े को जलाने नहीं बल्कि उसके समुचित निस्तारण की कोशिश करनी चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. ज्ञानेंद्र जौहरी ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में आत्मनिर्भर होना चाहिए। हमें अपना परिवेश, वातावरण साफ रखना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि स्वच्छता ही हमारा स्वभाव व संस्कार होना चाहिए। अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीनाक्षी ने किया। इस अवसर पर बृहद स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। स्वयंसेविकाओं ने गांधी भवन परिसर के आसपास की गंदगी को साफ करके एक जगह इकट्ठा किया।

सीएमपी महाविद्यालय में विचार से आय तक, जो आप जानते हैं, उससे कम लागत वाला व्यवसाय बनाना पर व्याख्यन

प्रयागराज। ससीएमपी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने आई आई सी ,इंस्टिट्यूट इनोवेशन सेल और आई क्यू ए सी के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान ष विचार से आय तकरू जो आप जानते हैं, उससे कम लागत वाला व्यवसाय ष का आयोजन किया ।व्याख्यान के मुख्य अतिथि व प्रवक्ता प्रोफेसर कृष्णनेंदु आचार्या वनस्पति विज्ञान , कोलकाता रहे । कार्यक्रम की शुरुआत संचालक व कार्यक्रम के आयोजक डॉ आलोक कुमार सिंह वनस्पति विज्ञान ने सभी का स्वागत करते व प्रो आचार्या का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रारंभ किया । मशरूम की शक्ति को अनलॉक करके विचार से आय तकरू जो आप जानते हैं, उससे कम लागत वाला व्यवसाय बनाना के लाभों पर प्रो कृष्णेन्दु पर प्रकाश डालाष कार्यक्रम के अगले सत्र में आई आई सी की कन्वीनर प्रोफेसर अर्चना पांडे ने आई आई सी पर संक्षिप्त चर्चा की व कई उदाहरण प्रस्तुत किए । प्रोफेसर आचार्या ने बताया कि हम किस प्रकार मशरूम कल्टीवेशन करके बहुत छोटी सी लागत छ50 में स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं ।उन्होंने बतलाया की किस–किस स्टेज में हम मशरूम का स्टार्टअप बिजनेस कर सकते हैं ।मशरूम का बीज बनाना , मशरूम का उत्पादन करना , मशरूम का कंपोस्ट बनाना , मशरूम से कई प्रकार के वैल्यू एडेड प्रोडक्ट जैसे पापड़ , बरी , अचार , आदि पर प्रकाश डाला

और बतलाया की मशरूम एक वेजिटेबल नहीं है बल्कि यह एक न्यूट्रिएंट पैक है जिस को किसी भी रोग से पीड़ित मनुष्य यदि इसका कम मात्रा में सेवन कर ले तो उसके सारे रोगों का निदान मात्र तीस दिन के सेवन से ठीक हो सकता है ।उन्होंने बतलाया कि मशरूम के बचे हुए वेस्ट कंपोस्ट को भी उपयोग में लाया जा सकता है या उससे भी कई प्रकार से स्टार्टअप तैयार कर सकते हैं । कलकत्ता विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित वनस्पतिशास्त्री प्रो. कृष्णेंदु ने प्रयागराज के सीएमपी कॉलेज में एक व्याख्यान के दौरान मशरूम के अपार लाभों पर जोर दिया।

प्रो. कृष्णेंदु ने कहा, ष्मशरूम पोषक तत्वों, विटामिन और खनिजों का खजाना है।ष

प्रो. कृष्णेंदु द्वारा ष्वे प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट का एक उत्कृष्ट स्रोत हैं, जो उन्हें स्वस्थ आहार के लिए एक आदर्श अतिरिक्त बनाता है।

प्रो. कृष्णेंदु ने मशरूम के औषधीय गुणों पर प्रकाश डाला, तथा उनकी निम्नलिखित में संभावित क्षमता का उल्लेख कियारू जैसे कैंसर का उपचार और रोकथाम, प्रतिरक्षा प्रणाली में वृद्धि , सूजनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियाँ , हृदय संबंधी स्वास्थ्य में सुधार आदि।

उल्लिखित कुछ उल्लेखनीय मशरूम प्रजातियाँ इस प्रकार हैं : रेशी (गैनोडर्मा ल्यूसिडम) , चागा (इनोनोटस ओब्लिकस) , शिटेक (लेंटिनुला एडोड्स) , मशरूम (प्लुरोटस ऑस्ट्रेटस) आदि

प्रो. कृष्णेंदु ने कहा, ष्मशरूम टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

व्याख्यान का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहाँ छात्रों और संकाय सदस्यों ने मशरूम की खेती और अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रो. कृष्णेंदु के साथ बातचीत की।

ष्प्रो. कृष्णेंदु प्रयागराज के सीएमपी कॉलेज में श्रोताओं को संबोधित करते हुए कम लागत में मशरूम से स्टार्टअप तैयार करने पर जोर दिया।ष्कार्यक्रम के अंत में डॉ यशवंत कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।कार्यक्रम के दौरान विभाग के प्रोफेसर मंजू श्रीवास्तव प्रोफेसर मीना राय प्रोफेसर संजय सिंह प्रोफेसर अमिता पांडे प्रोफेसर एस पी सिंह डॉ संजय कुमार केवट डॉ सोमाजना डॉक्टर विजय प्रताप सिंह डॉक्टर नेहा पांडे डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह डॉक्टर दीपक कुमार गोड डॉक्टर मुबाशर अफरोज डॉ राजेश कुमार यादव आदि प्रस्तुत रहे ।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..ताड़ी.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वॉं वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 20-09-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

15वॉं वित्त / राज्यवित्त/ योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 28-09-2024 को अपरान्ह..01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह..03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 21-09-2024 से 28-09-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत ताड़ी के गौशाला में लोकल सैंड / बजरी फिलिंग वर्क	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.96 लाख	2%	500

निविदा शर्त-

नोट- निविदा से सम्बन्धित शर्त ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी
सचिव ताड़ी

ग्राम पंचायत
प्रधान ताड़ी

काशी साहित्यिक संस्थान का तृतीय वार्षिक उत्सव कार्यक्रम संपन्न

वाराणसी। सकाशी साहित्यिक संस्थान ट्रस्ट का तृतीय वार्षिक उत्सव आयोजन पराड़कर भवन वाराणसी में आयोजित किया गया ,जिसमें देश के कोने–कोने से रचनाकार अपनी उपस्थिति देने के लिए उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्ति वाचन तथा सरस्वती वंदना से हुई।

इस कार्यक्रम में ममता तिवारी जी की पुस्तक नील नलीनी, डॉ मंजु गुप्ता कछावा जी की गजल संग्रह, सुनीता जौहरी जी की स्त्री, अनिकेत रंजन जी की पिता,सुनीलानंद जी की अजस्र बहते मोती का विमोचन किया गया। नील नलीनी जिसका प्रकाशन जौहरी पब्लिशर के माध्यम से हुआ है यह पुस्तक एक खंड काव्य है जिसमें मानवछंद पर आधारित 1011 पदों का समावेश है। इस पुस्तक में प्रेम, समर्पण व त्याग को दर्शाया गया है जो पढ़ने में काफी पठनीय है तथा हमें नील नलीनी की एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। साथ ही मंजू गुप्ता कछावा जी की पुस्तक अपने घर की ओर तथा अपनी तलाश

में जो गजल संग्रह है मंजू गुप्ता कछावा जी द्वारा लिखी गई गजलों में हिंदी भाषा का आधिकाधिक उपयोग किया गया है तथा उनकी रचनाएं मुख्यतः जगजीत सिंह वह चित्रा सिंह जी के गायन शैली से प्रभावित होकर की गई है तथा साथ ही इस समारोह में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्य सम्मान डॉ मंजु जी,राम समुद्रे जी, पुष्पा श्रीवास्तव शैली जी,मणिबेन द्विवेदी, डॉ माधवी मिश्रा शुचि, ललिता जी, रितु दीक्षित जी,राम बहाल कवि, उमाशंकर मणि जी,राजनारायण गुप्ता कैमी जी, सौदागर सिंह जी, कौशल किशोर मणि आदि को इस सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य सम्मानों में नव कोंपल साहित्य सम्मान बाल कवि मयंक सेठ, वर्षा मनोज द्विवेदी आदि को प्रदान किया गया। अन्य कार्यक्रमों में काव्य अंताक्षरी का आयोजन किया गया था जिसमें महिला और पुरुष की अलग–अलग टीमें बनाई गई थी जिसमें महिलाओं की टीम ने बाजी मारी और विजेता घोषित हुई तथा साथ ही उपनाम भी रचनाकारों को प्रदान किया गया जिसमें ममता तिवारी जी को मृदुला, डॉ माधवी मिश्रा जी को शुचि, डॉ मंजु गुप्ता जी को मंजु,राम समुद्रे जी को श्रामाश, ललिता जी को कल्याणी, रिषी तिवारी जी को शिवराफू , सुनील जी को आनंद उपनाम प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश त्रिपाठी ओम जी, डॉ मुक्ता जी तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. रचना शर्मा जी तथा अध्यक्षता सुनीता जौहरी जी ने किया।इस कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ माधवी मिश्रा शुचि जी, ललिता जी ने किया तथा व्यवस्थापक रितु दीक्षित जी तथा मीडिया प्रभारी रिषी तिवारी जी रहे।

कार्यक्रम में पुस्तक मेला का भी आयोजन किया गया था। जिसमें साहित्यकारों ने पुस्तक भी खरीदी और पुस्तक पर चर्चा भी की।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन काशी साहित्यिक संस्थान की संस्थापिका सुनीता जौहरी ने दिया उन्होंने सभी उपस्थित शारदे पुत्र – पुत्रियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि हमें हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए यथासंभव जो भी प्रयास करना होगा हम करेंगे।

डॉ0 सक्सेना दम्पत्ति गोवा साहित्यिक समारोह में हुए सम्मानित

एटा। हिंदी दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग द्वारा आयोजित साहित्यिक समारोह में जवाहरलाल नेहरू (पी०जी०) कॉलेज के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ०राकेश सक्सेना एवं डॉ० सुनीता सक्सेना को आर्म्ड डिसूजा साहित्यिक यायावर सम्मान 2024 से विभूषित किया गया। तीन दिवसीय ये आयोजन उद्घाटन, हिंदी की दशा व दिशा, कवि सम्मेलन एवं सम्मान सत्रों में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में पूर्व सम्पादक राजभाषा भारती गृह मंत्रालय के शांतिकुमार स्याल, आस्ट्रेलिया की रचनाकार डॉ० रेखा द्विवेदी, डॉ० सरोज कुजूर, डॉ० अकेलाभाई, डॉ० राकेश सक्सेना, डॉ० अजय कुलश्रेष्ठ अजेय आदि अतिथियों एवं सुदूर प्रान्तों के पैंतालीस रचनाकारों ने सहभाग किया।

अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ० राकेश सक्सेना ने कहा कि हिंदी की स्थिति गीता की भक्ति की तरह हो गई है जिसके दोनों पुत्र ज्ञान एवं वैराग्य वृद्ध हो गए हैं। डॉ० सक्सेना ने अपने उद्बोधन व काव्य पाठ से भावविभोर कर दिया। डॉ० सुनीता सक्सेना ने हिंदी की दशा व दिशा पर व्याख्यान देते हुए काव्य पाठ भी किया। इन दोनों की विशिष्ट उपलब्धि पर डॉ० राजीव कुलश्रेष्ठ, डॉ० भूपेन्द्र शंकर, रामनरेश मिश्र, अजय चतुर्वेदी, डॉ० भारत भूषण परिहार, डॉ० अनिल सक्सेना, डॉ0 सुभाष दीक्षित, डॉ० राकेश मधुकर, राघव आमोरिया, डॉ० प्रवेश पाण्डेय,डॉ०अनुराग दुबे, ममता जौहरी, सविता विसारिया, शिप्रा जौहरी, ऊषा सक्सेना, रागिनी मधुकर, हरीश खन्ना, डॉ० जी० के० शर्मा आदि गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सांवरियां को कवियो ने दी श्रद्धांजलि

करछना। रामायतन सेवा संस्थान करछना के द्वारा लोकविद् राम लोचन सांवरियां स्मृति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस दौरान मौजूद कवियों और युवा समाजसेवियों ने उन्हे याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि उनके मौलिक और उत्कृष्ट लेखन में बोली बानी का अनूठा शब्दशिल्प भीड़ से अलग अपनी माटी की पहचान और सांवरियां के लोकप्रियता की मिशाल है।लोक नाट्य नौटंकी की अंतिम कडी के रूप में उन्होने जो ख्याति अर्जित की उसका कोई सानी नही।डा.वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर,संतोष शुक्ल समर्थ और संजय पांडेय सरस ने कविताओं में उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।संयोजक कवि हृदयेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी सादगी,मिलन सारिता और लोक प्रियता को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर युवा समाजसेवी रिंकू सिंह,अरूणेंद्र सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय........

विस्फोटक पेजर

मंगलवार को लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी आजकल उन्नत मोबाइल फोनों के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की शृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल–हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए। बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है।

महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर चुनाव का आगाज

एजेंसी

देश के पहले आम चुनाव के बाद बनी प्रथम लोकसभा में (1952) कांग्रेस ने जीवी मावलंकर तथा विपक्ष ने शंकर शांताराम मोरे को इस पद के लिये उम्मीदवार बनाया था। मावलंकर ने 394–55 से जीत हासिल की थी।

90 सदस्यीय जम्मू–कश्मीर विधानसभा के चुनाव का महत्व इतना ही नहीं है कि यहां पूरे 10 वर्षों के बाद चुनाव हो रहे हैं। इसे विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा खत्म करने के बाद का यह पहला चुनाव भी है। यहां की कश्मीर घाटी में 47 तथा जम्मू सम्भाग में 43 सीटें हैं। इनमें से 24 सीटों पर पहले चरण में बुधवार को मतदान हुआ। बाकी सीटों पर 25 सितम्बर तथा 1 अक्टूबर को होगा। नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। 9 सीटें अनुसूचित जातियों तथा 7 सीटें अनु. जनजातियों के लिये आरक्षित हैं। केन्द्र सरकार तथा सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी दावा करती रही है कि 370 के हटने से इस राज्य में शांति कायम हुई है और देश की अखंडता मजबूत हुई है। दूसरी ओर विपक्षी दलों के अनुसार लोगों में विशेष राज्य का दर्जा हटाने से बेहद आक्रोश है। यह चुनाव एक तरह से भाजपा की इस राज्य के प्रति तथा अल्पसंख्यकों को लेकर जो नीति है, उस पर भी सहमति या असहमति की मुहर लगायेगा। इस मायने में यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां कांग्रेस फारुख व उमर अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाथ नहीं मिलाया है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वह इंडिया गठबन्धन का हिस्सा है। स्थानीय राजनीति की जरूरतों के मुताबिक एनसी एवं पीडीपी ने समझौता तो नहीं किया है लेकिन समझा जाता है कि यदि सरकार बनाने के लिये आवश्यकता पड़ी तो उसका बाहरी समर्थन कांग्रेस–एनसी को मिल सकता है। कयास इसलिये लगाये जा रहे हैं क्योंकि वहां भाजपा की हालत पतली बताई जाती है। चुनाव भी वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण करा रही है। भाजपा से जनता की नाराजगी की अनेक वजहें हैं। प्रमुख है अनुच्छेद 370 का हटाया जाना। यह आक्रोश केवल मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी में नहीं, बल्कि हिन्दू बहुल जम्मू में भी है। अनेक आंतरिक समस्याओं के बाद भी कश्मीर व जम्मू परस्पर आश्रित रहे हैं। विशेषकर, पर्यटन, धार्मिक यात्राओं तथा व्यवसाय के मामलों में। 370 की समाप्ति से दोनों के बीच जो अलगाव पैदा हुआ वह दोनों हिस्सों के लिये नुकसानदेह रहा है। कश्मीरी पंडितों की वापसी यहां एक प्रमुख मसला रहा है। 90 के दशक में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी गुटों द्वारा हिन्दुओं के खिलाफ हुए अत्याचारों के कारण यहां से बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित घाटी छोड़ गये थे। उन्हें शरणार्थी शिविरों में दिल्ली समेत कुछ शहरों में बसाया गया था। जब तक भाजपा विपक्ष में थी, उसने इस मुद्दे पर बहुत शोर मचाया था तथा इसके जरिये ध्रुवीकरण किया था। भाजपा का दावा था कि केन्द्र के प्रशासक की नियुक्ति होने से इन पंडितों की घाटी में वापसी का मार्ग खुलेगा। यह सच है कि कुछ हिन्दू लौटे भी परन्तु फिर से हुई आतंकी घटनाओं ने उन्हें डरा दिया और वे वापस मैदानों में उतर आये। अब भी लौटने वाले पंडितों की संख्या बहुत कम है। केन्द्र ने भी अपने वे सारे अभियान खूंटी में टांग दिये हैं। कश्मीरी पंडितों की वापसी का दावा खोखला साबित हुआ। यह भी प्रचारित किया गया था कि 370 के कारण ही यहां आतंकवाद हुआ है। इसके हट जाने से आतंकवाद समाप्त हो जायेगा। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अब भी कश्मीर के अलावा पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में स्थित राजौरी, पूंछ आदि के इलाकों में अनेक आतंकी घटनाएं हुई हैं। बड़ी संख्या में न केवल सेना व सशस्त्र बलों के जवान एवं अधिकारी मारे गये हैं बल्कि बड़ी आतंकी कार्रवाइयां हुई हैं। सेना उनका मुंहतोड़ जवाब दे रही है लेकिन भाजपा सरकार का यह दावा खोखला साबित हुआ कि 370 के हटते ही आतंकवाद की कमर टूट जायेगी। हाल ही में यहां अपनी चुनावी रैली के भाषण में श्री मोदी द्वारा यह कहना भी लोगों को नागवार गुजरा है कि तीन खानदानों ने कश्मीर को बर्बाद कर दिया। उनका आशय नेहरू, शेख अब्दुल्ला तथा मुफ्ती मुहम्मद सईद के खानदानों से था। इसका जवाब देते हुए उमर अब्दुल्ला ने याद दिलाया कि उनकी अपनी एनसी और पीडीपी के साथ भाजपा अलग–अलग मौकों पर सरकारें बना चुकी हैं। उन्होंने तंज कसा कि भाजपा को जब जरूरत पड़ती है तब इन खानदानों में उसे अच्छाइयां नजर आने लगती हैं वरना इन खानदानों में उसे बुराइयां दिखती हैं। इसके अलावा और भी कई मुद्दे हैं जिन पर कश्मीर को रायशुमारी करनी है। यह कहा गया था कि अनुच्छेद 370 के हटने से यहां उद्योगों तथा व्यवसायों की बहार आ जायेगी। ऐसा कुछ भी होता नहीं दिखा। अलबत्ता लोगों ने यह जरूर महसूस किया कि भाजपा के नजदीकी लोगों की नजरें यहां की जमीनों पर है, न कि कश्मीरियों से उन्हें लगाव है। इसके बल पर इस राज्य में बड़ी संख्या में रोजगार सृजन का दावा भी किया गया था पर जब यहां उद्योग–धंधे ही नहीं आये तो रोजगार पैदा होने का सवाल ही नहीं उठता। राज्य के लिये रोजगार अब भी बहुत बड़ी समस्या है। यहां के नागरिकों को वह सब भी याद है कि अनुच्छेद 370 हटाने के दौरान उन्हें किस प्रकार की दुश्वारियों का सामना करना पड़ा था। कई–कई दिनों के कर्फ्यू, इंटरनेटबंदी, पैलेट गन, लोगों को बेकारण थानों में ले जाना, उसी दौरान कोरोना का प्रसार आदि को कश्मीरवासी शायद ही भुला पायें। उधर दूसरी तरफ कांग्रेस का यह वादा लोगों को प्रभावित कर रहा है कि वह जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा लौटायेगी जो राहुल गांधी ने उनसे किया है।

आतंक का एक खतरनाक चेहरा

सर्वमित्रा सुरजन

विश्व की भयावह आतंकी घटनाओं की साक्षी बनी तारीखों में अब एक तारीख 17 सितंबर 2024 भी दर्ज हो गई है। लेबनान की राजधानी बेरुत में मंगलवार, 17 सितंबर को सिलसिलेवार पेजर धमाके हुए, जिसमें नौ लोगों की मौत करीब 2800 लोगों के घायल होने की खबर है। मृतकों में दो व्यक्ति हिज्बुल्लाह के दो सांसदों के बेटे हैं। वहीं घायलों में लेबनान में ईरानी राजदूत मुजतबा अमानी भी शामिल हैं। इस हमले में मौतों का आंकड़ा अतीत की आतंकी घटनाओं से भले कम दिखे, लेकिन इसे भयावहतम घटनाओं में इसलिए रखा जा सकता है क्योंकि जिस तरीके से इसमें आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल हुआ है, उस बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता। 11 सितंबर 2001 को जब न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में सीधे दो–दो हवाई जहाज टकरा दिए गए थे, या 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में ध‍माके हुए थे, या 2016 में फ्रांस में बैस्टिल डे का जश्न मना रहे लोगों को 19 टन का मालवाहक ट्रक रौंदते हुए चला गया, या 26 नवंबर, 2008 को मुंबई को चार दिनों तक बंधक बना कर आतंकी हमला हुआ, तब भी लोगों को एकबारगी यकीन नहीं आया था कि आतंकवाद का सामना इस तरह से करना पड़ेगा। आतंकवादी इसी रणनीति पर चलते हैं कि कुछ ऐसा करें, जिनसे आम लोग न केवल दहशत में आ जाएं, बल्कि उनका इंसानियत पर से भरोसा ही उठ जाए। ऊपर उल्लिखित तमाम हमलों में बंदूक, बम, बारुद का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन बेरूत में हुआ हमला इन सबसे भयानक इसलिए कहा जा सकता है कि क्योंकि रोजमर्रा में सूचनाओं के आदान–प्रदान के लिए बनाए गए पेजर को हैक करके लोगों को मारा गया, घायल किया गया। कुछ बरस पहले स्कूलों में निबंध का एक अहम विषय हुआ करता था, विज्ञान अभिशाप है या वरदान। जिसमें विद्यार्थी अक्सर हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए अणु बम का उल्लेख करके इस निष्कर्ष पर पहुंचते थे कि अगर हिंसा के लिए विज्ञान का इस्तेमाल किया जाए तो वह अभिशाप बन जाता

है। मेरा ख्याल है विज्ञान को अभिशाप बताने की जगह इंसान की नीयत पर विचार करने पर जोर दिया जाना चाहिए। ज्ञान और इंसानियत के विकास का गहरा संबंध है। जब मनुष्य गुफाओं और जंगलों में रहता था, तब दो पत्थरों को रगड़कर उसने आग जलाना सीखा और उन्हीं पत्थरों को नुकीला बनाकर शिकार करने के लिए भी इस्तेमाल किया। लेकिन तब यह सवाल करना बेमानी था कि पत्थर वरदान या है अभिशाप। क्योंकि पत्थर ने आग जलाकर या शिकार करके, दोनों तरीकों से इंसान की मदद ही की। अब अगर इंसान उसी पत्थर का इस्तेमाल दूसरे इंसान को मारने के लिए करे, तो इसमें पत्थर पर नहीं, नीयत पर सवाल उठने चाहिए। आदिम काल में जो उपयोगिता पत्थर की थी, अब विज्ञान की है। इस विज्ञान के कारण आज दुनिया किस तरह मुठ्ठी में समाई हुई है, यह सभी जानते हैं। अमूमन सभी के हाथों में मोबाइल है। मोबाइल से पहले पेजर का इस्तेमाल बहुतायत में होता था। इसके जरिए लिखित या मौखिक संदेश भेजे जाते थे। बेरुत के हमले में इसी पेजर को माध्यम बनाया गया है। दरअसल हिज्बुल्लाह अपने लड़ाकों को सुरक्षा कारणों से पेजर इस्तेमाल करने के लिए कहता रहा है, क्योंकि मोबाइल के जरिए किसी की लोकेशन का पता करने या मोबाइल हैक करके सारा डेटा चुराने में वक्त नहीं लगता। मोबाइल में विस्फोटक डालकर हत्या भी हो चुकी है। 1996 में हमास नेता याहया अयाश के फोन में 15 ग्राम आरडीएक्स विस्फोटक भरा गया था और जब याहया ने अपने पिता को फोन किया, उसी समय उसमें विस्फोट हो गया था। इस हत्या के पीछे इजरायल का हाथ था। अब एक बार फिर पेजर के जरिए हुए धमाकों के लिए भी इजरायल को ही जिम्मेदार माना जा रहा है, क्योंकि हिज्बुल्लाह लगातार इजरायल की उत्तरी सीमा पर रॉकेट और मिसाइल के हमले कर रहा है। हिज्बुल्लाह ईरान का सहयोगी है और ईरान की इजरायल के साथ दुश्मनी जाहिर है। हालांकि इजरायल ने अब तक इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन पेजर के जरिए विस्फोट करने का काम मोसाद जैसी अत्याधुनिक तकनीकी से लैस एजेंसी ही कर सकती है, ऐसा माना जा रहा है। पेजर से विस्फोट को अंजाम कैसे दिया गया, इस बारे में अब कई किस्म के अनुमान लगाए जा रहे हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि पेजर को हैक करके उसकी बैटरी को बेहद गर्म कर दिया गया हो, जिस वजह से धमाका हुआ हो, वहीं कुछ का मानना है कि जब पेजर खरीदे गए हों, तभी उनमें किसी तरह की गड़बड़ी कर दी गई हो ताकि बाद में एक साथ धमाका हो। खबर है कि कुछ महीने पहले हिज्बुल्लाह ने ताइवान में बने 5000 पेजर के ऑर्डर दिए थे, जानकार मानते हैं कि मोसाद ने उसी समय इन पेजरों में विस्फोटक डाला होगा। अनुमान है कि इसमें लिथियम ऑयन बैटरी के साथ एक छोटा विस्फोटक छिपाया गया, जिसे बस एक संदेश के जरिये विस्फोट कराया गया।

प्रेमचंद की विशिष्ट कृति रंग भूमि पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी। आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभागार, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्वावधान एवं विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी के संरक्षकत्व में प्रेमचंद की विशिष्ट कृति 'रंगभूमि' के सौ साल पूर्ण होने के अवसर पर त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. किंगसन पटेल, सह–संयोजक डॉ.राजकुमार मीणा एवं आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार ज्योति हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहें हिंदी के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ कथाकार 'मुझे चाँद चाहिए' जैसे विख्यात उपन्यास के लेखक श्री सुरेन्द्र वर्मा ने कहा, "जो लेखक अपने समय से नहीं जुड़ता है वह अपने लेखन के साथ न्याय नहीं कर पाता है।" प्रेमचंद अपने समय और सामयिक यथार्थ से जुड़े हुए लेखक थे। प्रेमचंद बेनिया पर टहलने जाते थे वहां उनसे प्रसाद जी की मुलाकात अक्सर होती थी, वो प्रसाद से कहते थे कि भाई! तुम क्यों गड़े मुर्दे उखाड़ा करते हो। कथाकार ने अपने कई स्मृतियों को साझा किया जिसमें उन्होंने अपनी प्रेमिका का भी जिक्र किया। विश्वविद्यालय के परंपरानुसार प्रो. शान्तिस्वरूप भटनागर द्वारा रचित कुलगीत 'मधुर मनोहर अतीव सुंदर, यह सर्वविद्या की राजधानी' की प्रस्तुति दिव्या शुक्ला, स्मिता पांडेय एवं रुक्मणि रॉय द्वारा किया गया। अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए संयोजिका डॉ. किंगसन पटेल ने कहा, भक्तिकाल के पश्चात् किसी साहित्यकार के साहित्य पर सबसे अधिक चर्चा हुई है तो वह हैं प्रेमचंद। रंगभूमि में किसान की समस्या प्रत्यक्ष रूप से नहीं आई है, बल्कि ग्रामीण समस्या उभर कर आई है। रंगभूमि में ढहता हुआ सामंतवाद है और उभरती हुई औद्योगिक सभ्यता। कैसे उपनिवेशवाद और औद्योगीकरण से गाँव ढह रहा है और वहाँ की संस्कृति छिज रही है, यह मुख्य चिंता है रंगभूमि उपन्यास की। इन्होंने अवध के किसान आंदोलन की भी चर्चा की।

विभागाध्यक्ष, संगोष्ठी संरक्षक प्रो. वशिष्ठ अनूप ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि आज से 25–30 साल पहले जब 'नीला चाँद' उपन्यास प्रकाशित होकर आया था उसे खूब पढ़ा गया, एक ही पत्रिका के एक अंक में इसकी तीन तीन समीक्षाएं प्रकाशित हुई थी। उन्होंने ऐसे वरिष्ठ कथाकार का तहेदिल से स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि इस संगोष्ठी के पश्चात् जरूर हमारे विद्यार्थी प्रेमचंद के साहित्य के विशेषज्ञ हो जायेंगे। नेपाली भाषा के विद्वान और हिन्दी साहित्य के अध्येता प्रो. दामोदर ढकाल, प्रो. सत्यकाम और सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि "मैं जब से चला था मेरी मंजिल पर नजर थी, आँखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा।" उन्होंने बताया कि प्रेमचन्द ने साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र बदल दिया। प्रेमचंद ने साहित्य में जागरण पैदा किया। प्रेमचंद ने कहा था कि अब और सोना मृत्यु का लक्षण है। रंगभूमि में गांव की प्रतिष्ठा है। सूरदास सामूहिकता में जीता है,जिसके विरोध में पूरी औद्योगिक सभ्यता है। गुलामी के दिनों में प्रेमचन्द सूरदास जैसे पात्र के रूप मुक्ति का योद्धा गढ़ रहे थे।

इस संगोष्ठी को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर रहे नेपाल से आए विशिष्ट अतिथि प्रो. दामोदर ढकाल ने कहा कि रंगभूमि सामान्य कृति नहीं है अपितु भारतीय समाज का महाकाव्य है। प्रेमचन्द ने औद्योगिक सभ्यता से लेकर गंवई संस्कृति तक को उसके सम्पूर्ण वितान में समेटने की कोशिश रंगभूमि में की है। प्रेमचन्द समाज के ऐसे महर्षि हैं जिन्होंने भारत की संस्कृति को बचाने की कोशिश की। उसकी भारतीयता को सर्वोपरि रखा है। इनकी कृति गोदान के केन्द्र में किसान है। रंगभूमि के केन्द्र में है,'संघे शक्ति कलयुगे'। कार्यक्रम के मध्याह्न

में गजलकार प्रो. वशिष्ठ अनूप द्वारा रचित पुस्तक 'हिंदी गजल के निकष' पुस्तक का लोकार्पण हमारे विद्वानों द्वारा किया गया। इस सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि रंगभूमि सौ साल बाद भी जीवित है क्योंकि यह रंगभूमि हर पल, हर क्षण नया रूप लेता है। प्रेमचन्द और किसी भी साहित्यकार और साहित्य को वर्गीय दृष्टि से रहित होकर देखिए, भारतीय दृष्टि से देखिए तब आप प्रेमचन्द को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। प्रेमचन्द न तो आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी थे न यथार्थवादी बल्कि भारतीय दर्शन को ध्यान में रखकर लिखने वाले कथाकार हैं। आज आई.आई.एम, आई.आई.टी में पढ़ने वाली विद्यार्थी कैसे विदेशियों, पूंजीपतियों द्वारा खरीद लिए जाते हैं। कैसे हिंदुओं का धर्मांतरण होता है सोफिया जैसे चरित्र के माध्यम देखने की आवश्यकता है। पेशावर में कैसे गोरखा रेजिमेंट के सिपाहियों ने क्रांतिकारियों पर गोली चलाने से मना कर दिया है कुछ ऐसा ही एक दृश्य रंगभूमि में भी है। इनका मानना है कि सूरदास का चरित्र सनातन परंपरा को आगे बढ़ाता है। वह बहुत अच्छा रामायण गाता है, निर्गुण गाता है, उसकी ईश्वर में आस्था है इसलिए सूरदास मार्क्सवाद का नहीं सनातन का प्रतीक है। इस उपन्यास पर गीता का भी प्रभाव है। प्रेमचन्द के हिंदूमन को पहचानिए। विशिष्ट अतिथि प्रो. बलिराज पाण्डेय बताया कि प्रेमचन्द ने कहा था कि साहित्य हमें स्वाधीन और स्वाभाविक बनाता है। प्रेमचन्द का समूचा साहित्य ब्रिटिश सत्ता,धर्मसत्ता, राजसत्ता पर कब्जा जमाए पुरोहितों,पूंजीपतियों, बड़े व्यापारी, मौलवी सभी प्रेमचन्द के निशाने पर थे और प्रेमचन्द भी इनके निशाने पर थे। चिट्ठी पत्री में प्रेमचन्द लिखते हैं,"तंदहइीववउप पे उल वचपदपवद, इमेज पद उल ूवता." प्रेमचंद ने खुध्द लिखा है कि 'रंगभूमि सामाजिक की अपेक्षा राजनीतिक उपन्यास ज्यादा है।' प्रेमचंद संभाव्य चेतना के कथाकार हैं। प्रेमचन्द के उपन्यास में, प्रेमाश्रम के लेखन से ही सामंतवाद और जमींदारी प्रथा का उन्मूलन होने लगा था जबकि वास्तविक उन्मूलन बहुत बाद में संभव हुआ। इन्होंने रंगभूमि के संवादों में जीवन जीने के प्रेरणापरक संघर्षशील तत्वों की भी बात की। यह रंगभूमि सिर्फ रंगभूमि नहीं है, इसमें आए घटनाओं को और उनके प्रति की गई संघर्षशीलता को देखते हुए इस रंगभूमि को रणभूमि कह दे तो अतिशयोक्ति न होगी। उद्घाटन सत्र का संचालन कर रहे हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अशोक कुमार ज्योति ने कहा कि यह हमारे लिए ऐतिहासिक क्षण है कि हमें वरिष्ठ कथाकार श्री सुरेन्द्र वर्मा को साक्षात सुनने का अवसर प्राप्त हुआ।

सहायक आचार्य डॉ. विंध्याचल यादव ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, मैं उन सभी विद्यार्थियों, विद्वानों के जुझारूपन को देखते हुए तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने बताया कि गांधी हिंदू धर्म में वर्ण व्यवस्था के हिमायती थे लेकिन प्रेमचंद नहीं थे। उद्घाटन सत्र का सबसे रोचक पड़ाव 'रंगभूमि' उपन्यास का नाट्यमंचन निर्देशक डॉ. लहरीराम मीणा की देख–रेख में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, जिसकी सह–निर्देशिका डॉ. मानसी रस्तोगी थी। मुख्य पात्र सूरदास के किरदार में शोध छात्र अंकित कुमार मौर्य थे। प्रो. राजकुमार, प्रो. श्रद्धा सिंह प्रो. श्री प्रकाश शुक्ल, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. कृष्णमोहन, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. मनोज कुमार सिंह, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. सत्यपाल शर्मा, प्रो. आभा गुप्ता ठाकुर, प्रो. नीरज खरे, प्रो. बिपिन कुमार, प्रो. आशा यादव, प्रो. सुमन जैन, प्रो. राकेश कुमार राम, प्रो. सुचिता त्रिपाठी, प्रो. मीनू अवस्थी, डॉ. रामाज्ञा शशिधर, डॉ. उर्वशी गहलौत, डॉ. रविशंकर सोनकर, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. लहरी राम मीणा, डॉ. सत्यप्रकाश पाल, डॉ. प्रीति त्रिपाठी, डॉ. मानसी रस्तोगी, डॉ. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा, डॉ. प्रभात कुमार मिश्र, डॉ. प्रियंका सोनकर, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. नीलम कुमारी, डॉ. विंध्याचल यादव, डॉ. धीरेन्द्रनाथ चौबे, डॉ. विवेकानंद उपाध्याय, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. हरीश कुमार के साथ साथ भारी संख्या में विद्यार्थियों की मौजूदगी रही।

ठाकुर सज्जन सिंह का भदेस अंदाज आज भी मिसाल, बड़े पर्दे का कलाकार जिसे छोटी स्क्रीन ने दिलाई पहचान

मस्त रहो, जिअत रहो, जितत रहो, महादेव! मिलने वालों से यही कहते थे मन की आवाज प्रतिज्ञा के ठाकुर सज्जन सिंह यानि अनुपम श्याम ओझा। जो 20 सितंबर को 67 साल के होते लेकिन अफसोस अपने नेगेटिव किरदार से रोमांच पैदा करने वाला ये कलाकार 2021 में ही दुनिया को अलविदा कह गया। अनुपम श्याम ओझा खांटी इलाहाबादी अंदाज में खुद को दर्शकों के बीच परोसकर हिट हो गए। पढ़े लिखे भी खूब थे। आर्टिस्ट बेमिसाल थे। सालों से बड़े पर्दे की उम्दा फिल्मों में दम खम दिखाया। बैंडिट क्वीन, शक्ति, सरदारी बेगम, तमन्ना जैसी फिल्मों में एक खास वर्ग की नजर में आए लेकिन दशकों बाद सफलता का स्वाद चखाया मन की आवाज प्रतिज्ञा टीवी सीरियल ने। घर–घर में मशहूर हुए, लोगों में प्रतिज्ञा के ससुर सज्जन सिंह का खौफ बिठाया। लंगड़ा कर चलना, लंबी दाढ़ी और ठेठ इलाहाबादी दबंग किरदार से लोगों को प्यार सा हो गया। खूब चला ये शो और अनुपम श्याम को भी नया मुकाम दिलाया। अनुपम का जन्म 20 सितंबर 1957 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में हुआ था और 8 अगस्त 2021 को 63 की उम्र में मल्टी ऑर्गेन फेल्योर की वजह से मुंबई में निधन हो गया। इलाज लंबा चला था। डायलिसिस पर थे। आर्थिक स्थिति भी थोड़ी डगमगाई। तो दबंग सज्जन सिंह ने मदद मांगने से भी गुरेज नहीं किया। मदद को हाथ भी बढ़े। सह कलाकारों के ही नहीं बल्कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी 20 लाख दिए। प्रतापगढ़ में जन्मे लेकिन लखनऊ में थिएटर सीखा तो वाराणसी से भी खास रिश्ता रहा। यहां उनका ननिहाल था। कहते थे बचपन यहीं गुजरा। यही वजह है कि जब प्रतिज्ञा सीरियल ऑफर हुआ तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। एनएसडी पास आउट कहते थे कि यूपी के अलग–अलग शहरों का अंदाज मुझे पता था, मेरे रोम रोम में यूपी की कई लैंग्वेज रची बसी है...चूंकि सज्जन इलाहाबाद का था सो मैंने इलाहाबादी अंदाज में खुद को पोट्रे किया। वाकई इस दबंग ठाकुर को जब भी पर्दे पर देखा गया वो उसका आनंद उठाता, उसे जीता ही नजर आया। नेगेटिव किरदार पर्दे पर जीने वाले अनुपम श्याम बेहद शालीन थे। अपनी बोली से प्यार इतना था कि सेट पर भी ठेठ अंदाज में ही सह कलाकारों से पेश आते थे। स्लमडॉग मिलेनियर, द वॉरियर, थ्रेड, शक्ति, हल्ला बोल, रक्तचरित्र जय गंगा जैसी देसी विदेसी फिल्मों के जरिए आज भी हिंदी सिनेमा जगत में जिंदा है ये कलाकार!

> “ अनुपम श्याम ओझा खांटी इलाहाबादी अंदाज में खुद को दर्शकों के बीच परोसकर हिट हो गए। पढ़े लिखे भी खूब थे। आर्टिस्ट बेमिसाल थे। सालों से बड़े पर्दे की उम्दा फिल्मों में दम खम दिखाया। बैंडिट क्वीन, शक्ति, सरदारी बेगम, तमन्ना जैसी फिल्मों में एक खास वर्ग की नजर में आए लेकिन दशकों बाद सफलता का स्वाद चखाया मन की आवाज प्रतिज्ञा टीवी सीरियल ने।

कार्तिक ने अपने होटल के कमरे से पहाड़ों का दृश्य किया शेयर

बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन इन दिनों लद्दाख में छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। इस बीच, उन्होंने होटल के कमरे से एक शानदार नजारा तस्वीरों में कैद कर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। लद्दाख में अपनी छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर शांति स्तूप की थी, जो लद्दाख के लेह जिले के चांसपा में एक पहाड़ी की चोटी पर सफेद गुंबद वाला स्तूप है। इसके बाद उन्होंने एक दूसरी तस्वीर अपने होटल के कमरे से शेयर की। इसमें पहाड़ और नीला आसमान का नजारा दिख रहा है। एक्टर ने इस तस्वीर को कोई कैप्शन नहीं दिया, सिर्फ इतना ही लिखा कि ऊंचे दर्रों की भूमि। इससे पहले, अभिनेता द्वारा जुहू में 17.5 करोड़ रुपये में खरीदे गए अपने फ्लैट को 4.5 लाख रुपये प्रति माह के किराये पर देने की खबर वायरल हुई थी। सिद्धि विनायक प्रेसीडेंसी को–ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में स्थित अपार्टमेंट 1,912 वर्ग फुट में फैला है। आर्यन ने इसी साल 30 जून को अपनी मां माला तिवारी के साथ मिलकर 17.5 करोड़ में इसे खरीदा था। खरीदारी पर 1.05 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा था। इसमें दो पार्किंग स्थान भी शामिल थे। कार्तिक को प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और भूल भुलैया 2 और चंदू चौंपियन जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। वह अगली बार श्भूल भुलैयाश फ्रेंचाइजी में दिखाई देंगे, जो पहली बार 2007 में आई थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, शाइनी आहूजा, अमीषा पटेल, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी, असरानी और विक्रम गोखले थे। तीसरे भाग में विद्या और तृप्ति डिमरी भी हैं। इस बार इसे दिवाली पर रिलीज किया जाएगा।

परिणीति ने 'ससुराल' में बनाई लाजवाब ब्राउनी

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित अपने ससुराल में तीन सामग्रियों वाली लाजवाब ब्राउनी बनाई। परिणीति ने ब्राउनी की एक झलक भी शेयर की। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर परिणीति ने अपने घर की एक झलक शेयर की। पहली तस्वीर में एक कॉफी मग की तस्वीर थी और लिखा था काढ़ा जैसे दिन। फिर उन्होंने अपने बगीचे की एक तस्वीर शेयर की। इसमें बारिश की बूंदें गिर रही थीं और लिखा था, घर और बारिश। इसके बाद अभिनेत्री ने खाना बनाने के कौशल का प्रदर्शन किया और केवल तीन सामग्रियों कोको, पीनट बटर और केले का उपयोग करके ब्राउनी बनाई। उन्होंने लिखा, 3 सामग्री वाली ब्राउनी– केला, पीनट बटर, कोको३ बेक करें और आनंद लें। परिणीति ने पिछले साल सितंबर में उदयपुर के एक आलीशान होटल में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधी। 14 सितंबर को परिणीति ने दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत की यादों को ताजा किया। 2013 में सुशांत के साथ उनकी फिल्म रिलीज हुई थी। फिल्म के 11 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए परिणीति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस पर शुद्ध देसी रोमांस के लेंस के माध्यम से जोध ापुर की खोज करें लिखा था। वीडियो में वह स्थान दिखाए गए हैं, जहां परिणीति और सुशांत ने शुद्ध देसी रोमांस का गीत फिल्माया था। इसमें राजसी मेहरानगढ़ किला और जोधपुर, राजस्थान के आकर्षक महल और गलियां दिखाई गईं। परिणीति ने कैप्शन में लिखारू यह बहुत पसंद आया! सुशांत की याद आती है...इसमें हमें कितना मजा आया। शुद्ध देसी रोमांस का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया था और आदित्य चोपड़ा ने इसे प्रोड्यूस किया था। इसमें वाणी कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं। राजस्थान के जयपुर में सेट की गई इस फिल्म में कमिटमेंट, लिव–इन रिलेशनशिप और अरेंज मैरिज पर युवा पीढ़ी के विचारों को दिखाया गया है। परिणीति ने 2011 में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी लेडीज वर्सेस रिकी बहल से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी, जबरिया जोड़ी, द गर्ल ऑन द ट्रेन, गोलमाल अगेन, संदीप और पिंकी फरार और मिशन रानीगंज जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। परिणीति ने आखिरी बार बायोग्राफिकल म्यूजिकल ड्रामा श्अमर सिंह चमकीलाश में अमरजोत कौर के रूप में काम किया था। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं।

उर्मिला मातोंडकर ने शबाना आजमी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

रंगीला, सत्या, पिंजर, एक हसीना थी जैसी फिल्मों से मशहूर हुई अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी है। बुधवार को अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने अपने इंस्टाग्राम पर इंडस्ट्री की सीनियर एक्ट्रेस के साथ कई तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर उनकी फिल्म मासूम की है, जिसमें उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में काम किया था और शबाना की बेटी का किरदार निभाया था।

उन्होंने कैप्शन में सीनियर एक्ट्रेस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए एक लंबा नोट भी लिखा। उन्होंने लिखा, सिनेमा ने मुझे जो श्मांश दी। भले ही यह सुनने में थोड़ा अजीब लगे, लेकिन मैं हमेशा किसी से भी कह सकती हूं मेरे पास मां है। जन्मदिन की शुभकामनाएं प्यारी शबाना जी।

उन्होंने आगे लिखा, आपको देखना, आपके साथ काम करना, आपको समझना और आपसे बहुत कुछ सीखना मेरे लिए बहुत खुशी और सौभाग्य की बात रही है, जो आज भी जारी है। आपके साथ मेरे रिश्ते को बयां नहीं किया जा सकता, जिसे हम दोनों ने लगभग 4 दशकों तक बनाए रखा है, साथ ही जिसे बेहद संजोकर रखा है। आप हमारी राहों को रोशन करती रहें और हमें प्यार, जीवन और महान ऊंचाइयों का रास्ता दिखाती रहें। फिल्म निर्माता शेखर कपूर ने 'मासूम' से अपने निर्देशन की शुरुआत की। फिल्म की पटकथा महान गीतकार–लेखक–कवि गुलजार ने लिखी थी। यह एरिक सेगल के उपन्यास 'मैन, वूमन एंड चाइल्ड' का अनौपचारिक रूपांतरण है। इसे मलयालम फिल्म 'ओलंगल' और अमेरिकी फिल्म 'मैन, वूमन एंड चाइल्ड' में भी रूपांतरित किया गया था।

इस फिल्म में तनुजा, सुप्रिया पाठक और सईद जाफरी के साथ नसीरुद्दीन शाह भी थे। बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही शबाना आजमी ने भारतीय फिल्म उद्योग में 50 साल पूरे कर लिए हैं। दक्षिण एशिया का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव टोरंटो 2024 अपने 13वें संस्करण के दौरान दिग्गज अभिनेत्री को सम्मान देगा। यह महोत्सव अगले महीने आयोजित होने वाला है।

हिमेश रेशमिया के पिता और संगीत निर्देशक विपिन रेशमिया का 87 साल की उम्र में निधन

संगीतकार हिमेश रेशमिया के पिता मशहूर संगीत निर्देशक विपिन रेशमिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। विपिन रेशमिया सांस लेने में तकलीफ और उम्र संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। 18 सितंबर की रात अस्पताल में भर्ती कराए गए और देर रात निधन हो गया। विपिन 87 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार आज, 19 सितंबर को मुंबई में किया जाएगा। विपिन रेशमिया ने संगीत निर्देशन में आने से पहले एक टेलीविजन धारावाहिक निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उसके बाद संगीतकार ने तेरा सुरूर, द एक्सपोज और इंसाफ की जंग के लिए निर्माता का काम किया। विपिन रेशमिया के द एक्सपोज और तेरा सुरूर फिल्मों में उनके बेटे हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, विपिन ने श्इंसाफ का सूरजश नाम की फिल्म के लिए म्यूजिक कंपोज किया था। विपिन रेशमिया के जरिए ही सलमान की मुलाकात हिमेश रेशमिया से हुई थी। जिसके बाद सलमान ने हिमेश रेशमिया को श्प्यार किया तो डरना क्याश का म्यूजिक देने का मौका दिया था। हिमेश रेशमिया के पिता विपिन एक संगीतकार थे, जिन्होंने अपनी विरासत अपने बेटे को दी। विपिन ने हिमेश के करियर में अहम भूमिका निभाई। हिमेश पिता को अपना गुरु भी थे। उन्होंने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें अपने बेटे की संगीत प्रतिभा पर कितना गर्व था, जिसकी वजह से उन्होंने संगीत निर्देशक बनने का अपना सपना छोड़ दिया और हिमेश को संगीत सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया। 2021 में इंस्टाग्राम पर हिमेश ने अपने पिता की संगीत विरासत का एक दिलचस्प हिस्सा साझा किया था। उन्होंने बताया कि विपिन रेशमिया ने एक गाना बनाया था जिसमें दिग्गज गायिका लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने अपनी आवाज दी थी। अफसोस की बात है कि यह गाना कभी रिलीज नहीं हुआ।

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो शुरू हो जायेगी हेयर फॉल की समस्या

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं। बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है। अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी–छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए–

जोर से रगड़ना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगड़ने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार–बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार–बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

बालों की प्रॉब्लम को ध्यान में ना रखना

जब आप बालों को वॉश करते है तो हमेशा अपने बालों की समस्या व हेयर टाइप को ध्यान में रखकर ही शैम्पू चुनना चाहिए। मसलन, अगर आपको रूसी की समस्या है तो एक एंटी–डैंड्रफ शैम्पू आपके काम आएगा। अगर आप इसे ध्यान नहीं रखते हैं तो इससे बालों को फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इसलिए पहले हमेशा अपने बालों की जरूरत को समझें और उसी के अनुसार शैम्पू इस्तेमाल करें।

आपका शर्मीलापन कहीं हनीमून का मजा ना कर दे किरकिरा, शर्म को छोड़ खुलकर करें एंजॉय

शादी के बाद कपल को हनीमून का इंतजार बेसब्री से रहता है। यह वक्त ऐसा होता है जहां सिर्फ पति– पत्नी के अलावा तीसरा कोई नहीं होता। ऐसे में इस पल का खुलकर आनंद लेना चाहिए। अगर आप स्वभाव से शर्मीली हैं तो चिंता ना करें आज हम आपको ऐसे आसान तरीके बताएंगे जिसकी मदद से आप अपने हनीमून को रोमांटिक और यादगार बना सकती हैं।

खुलकर बातचीत करें

एक–दूसरे से खुलकर बातें करना रिश्ते को मजबूत बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। जब आप अपने साथी के साथ अपनी भावनाओं को साझा करेंगी, तो आपके बीच का संबंध और गहरा होगा। यदि आप बहुत ज्यादा शर्मीली हैं, तो पहली बार में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है। इससे थोड़ी असहजता महसूस हो सकती है, लेकिन धीरे–धीरे आप इसे बेहतर कर पाएंगी।

एक्साइटिंग एक्टिविटीज में भाग लें

किसी एडवेंचर एक्टिविटी जैसे बोटिंग, ट्रेकिंग या रोमांटिक डिनर का प्लान करना आपको एक–दूसरे के करीब लाने में मदद करेगा। यह हनीमून के यादगार पलों में से एक बन सकता है। अगर आपको या आपके पार्टनर को किसी एक्टिविटी का अनुभव नहीं है या आप उसमें सहज नहीं हैं, तो यह थोड़ा तनावपूर्ण भी हो सकता है।

सर्प्राइज प्लान करें

अपने पार्टनर के लिए एक छोटा सर्प्राइज, जैसे उनके पसंदीदा फूड ऑर्डर करना या खास जगह की विजिट प्लान करना, उन्हें खुश कर सकता है। यह आपके शर्मीलेपन को भी कम करेगा और आप दोनों के बीच एक खास कनेक्शन बनाएगा। सर्प्राइज में कई बार योजनाएं पूरी तरह से नहीं बन पातीं, जिससे निराशा हो सकती है। इसलिए सर्प्राइज प्लानिंग करते समय ध्यान रखें कि आपकी योजनाएं आपके पार्टनर की पसंद के अनुरूप हों।

रोमांटिक माहौल बनाएं

होटल के कमरे को मोमबत्तियों, फूलों और नरम संगीत से सजाना रोमांटिक माहौल बनाने में मदद करेगा। इससे आप दोनों एक–दूसरे के साथ समय बिताने में अधिक सहज महसूस करेंगे। अगर आप बहुत शर्मीली हैं, तो इस तरह का रोमांटिक माहौल आपको असहज महसूस करा सकता है। इस स्थिति में, धीरे–धीरे माहौल को हल्का रखने की कोशिश करें।

छोटे–छोटे पलों का आनंद लें

छोटे पलों जैसे साथ में चाय पीना, समुद्र किनारे टहलना, या सूरज डूबते देखना, आपके रिश्ते को मजबूत करेंगे। ये पल आपको और आपके पार्टनर को बिना किसी दबाव के एक–दूसरे के साथ जोड़ने का मौका देंगे। कभी–कभी हनीमून पर अधिक उत्साह के कारण लोग बड़े आयोजन पर ध्यान देते हैं और इन छोटे पलों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए, इन पलों का भी आनंद लेना जरूरी है।

स्पेस दें और लें

हनीमून के दौरान अपने साथी को व्यक्तिगत स्पेस देना भी जरूरी है। इससे आपको और आपके पार्टनर को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं पर ध्यान देने का समय मिलेगा। अगर बहुत ज्यादा स्पेस दिया जाए, तो यह दूरी का कारण भी बन सकता है। इसलिए इसे संतुलित करना जरूरी है।

ध्यान रखें कि परफेक्शन जरूरी नहीं

खुद पर परफेक्शन का दबाव न डालें। हनीमून का उद्देश्य एक–दूसरे के साथ समय बिताना है, न कि हर पल को परफेक्ट बनाना। इससे आप तनावमुक्त रहेंगी और चीजों का आनंद लेंगी। कभी–कभी समाज की उम्मीदें या सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले आदर्श हनीमून की छवि आपके अनुभवों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, असलियत में जो आपके लिए सही है, उसी पर ध्यान दें।

दिमाग पर सीधा अटैक करते हैं ये 5 जानलेवा वायरस

आज हम बात करेंगे उन खतरनाक संक्रामक वायरसों के बारे में जो हमारे दिमाग पर सीधा अटेक कर सकते हैं। इन वायरसों के चलते मस्तिष्क में सूजन, गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं और कभी–कभी तो जानलेवा स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। जानिए ऐसे पांच जानलेवा वायरस के बारे में, जो आपके जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। चलिए, शुरू करते हैं!

वेस्ट नाइल फीवर

वेस्ट नाइल बुखार एक मच्छर द्वारा फैला वायरस है, जिसके लक्षणों में सिरदर्द, तेज बुखार, गर्दन में अकड़न, मांसपेशियों में कमजोरी, और दौरे शामिल हैं। यह वायरस अगर दिमाग तक पहुँच जाए, तो मेनिनजाइटिस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसमें जीका और डेंगू दोनों शामिल हैं। वेस्ट नाइल फीवर वैसे तो ज्यादा हानिकारक नहीं माना जाता है, मगर दिमाग तक वायरस फैल जाए तो दिमाग और रीढ़ की हड्डी की परत पर सूजन कर सकता है। कई बार मरीज को मेनिनजाइटिस नाम की बीमारी हो जाती है, जो कि एक संक्रामक बीमारी है।

रेबीज

रेबीज एक जानलेवा वायरस है, जो आमतौर पर जानवरों के काटने से फैलता है। यह वायरस नसों के जरिए दिमाग में पहुंचकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स पैदा कर सकता है। समय पर इलाज न कराने पर यह इंसान को कोमा में पहुंचा सकता है या यहां तक कि मौत का कारण बन सकता है।

कोविड–19

कोविड–19 का वायरस इंसान के दिमाग पर समय के साथ गंभीर प्रभाव डाल सकता है। यह मस्तिष्क में सूजन पैदा करता है और कई मरीजों में ब्रेन फॉग जैसी समस्याएं देखी गई हैं। इसके परिणामस्वरूप भूलने की बीमारी, स्ट्रेस, और तनाव का अनुभव बढ़ सकता है।

डेंगू

डेंगू बुखार से भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके लक्षणों में बुखार, जोड़ों में दर्द, और उल्टी शामिल हैं। डेंगू के गंभीर मामलों में एन्सेफलाइटिस हो सकता है, जो दिमाग में सूजन का कारण बनता है।

ईस्टर्न इक्विन इंसेफेलाइटिस (ईईई)

ईईई एक मच्छर द्वारा फैलने वाला वायरस है, जो इम्युन सिस्टम पर हमला करता है। यह दिमाग में सूजन पैदा कर सकता है और सोचने–समझने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। यह वायरस जानवरों में भी प्रभाव डालता है और कई बार यह जानलेवा साबित होता है। दिमाग से जुड़ी बीमारियों का संकट बढ़ता जा रहा है। इन वायरसों से बचने के लिए सावधानी बरतना आवश्यक है। किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। आपकी जान और स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण हैं।

बॉलीवुड के ये स्टार किड्स खूबसूरती में दे रहें टक्कर, मेकअप लुक देखकर आप दंग हो जाएंगे

बॉलीवुड इंडस्ट्री की तमाम एक्ट्रेस जवानी से लेकर 40 से 50 साल की उम्र में भी जलवा बिखेर रही है। बॉलीवुड की इन खूबसूरत मांओं की बेटियों का मेकअप लुक देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। एश्वर्या राय की आराध्या से लेकर रवीना टंडन की बेटी राशा तक अपने मेकअप लकु से कहर ढा रही है। इन स्टार किड्स के लुक सामने बड़ी–बड़ी अभिनेत्री कुछ भी नहीं है। आज हम आपको बॉलीवुड सेलेब्स की उन स्टार किड्स के बारे में बताने वाले हैं, जो अपनी बेटी को फ्लेक्स करने में बिल्कुल नहीं चुकती हैं। आइए जानते हैं कौन–से 5 स्टार किड्स है।

आराध्या बच्चन की खूबसूरती देखकर हैरान हो जाएंगे

बॉलीवुड इंडस्ट्री के किसी भी इवेंट में हर बार अपनी मां एश्वर्या के साथ नजर आने वाली आराध्या बच्चन जब भी कैमरे के सामने आती हैं। आराध्या अपने लुक से लोगों का दिल जीत लेती है। हाल ही में ैप्ड। अवार्ड सेरेमनी में आराध्या बच्चन अपनी मां की फोटो क्लिक करते हुए देखा था, जहां दोनों मा–बेटी ब्लैक आउटफिट में नजर आए। दरअसल, आराध्या के मेकअप लुक की बात करें तो बच्ची की आंखों में पतला लाइनर और होंठों पर लिप ग्लॉस लगाए प्यारी आराध्या अपनी नेचुरल ब्यूटी को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही है। सिंपल से आदाज में आराध्या किसी बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देने से पीछे नहीं रहती है।

रवीना की बेटी राशा थदानी

बॉलीवुड डीवा रवीना टंडन की बेटी राशा थदानी अपने हुस्न से जलवा बिखेर रही है। राशा अपनी मॉम की तरह ही खुद को टिप टॉप रखती है। राशा भी रवीना टंडन की तरह ही आई मेकअप पर ज्यादा फोकस करती हैं। 19 साल की राशा अपने मेकअप लुक से कहर ढा रही है। स्मोकी आई लुक के साथ तहलका मचा रही है। इस लुक को देखकर हर कोई फिदा हो जाएगा

अंजिनी धवन की खूबसूरती लोगों पर कहर ढा रही

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की भातीजी अंजिनी ने अपने चाचा के साथ एक फोटोशूट कराया है। बॉलीवुड की नई हसीनाओं को टक्कर देती हैं अंजिनी धवन। कैट आई लुक हो या फिर सादगी आई मेकअप में 19 साल की अंजिनी बाला की खूबसरत लगती है।

पलक तिवारी अपने मां के नक्शे कदम पर चलती

पलक तिवारी अपनी मां की तरह ही सुंदर हैं। 23 साल की उम्र में पलक 19–20 की लगती है। पलक तिवारी अपने मां के नक्शे कदम पर चलती हैं। ये हसीना कभी माथे पर बिंदी लगाएं को कभी ट्रेंडी हेयर स्टाइल में दिखती हैं। पलक नेचुरल ब्यूटी के लिए लाइट फाउंडेशन के साथ ब्लश और काजल का इस्तेमाल करती हैं, जो काफी क्यूट लुक देता है।

24 साल की सुहाना खान जलवा बिखेर रही

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान 24 साल की है। इनकी खूबसूरती का हर कोई दीवाना है। जब नेचुरल ब्यूटी और डस्की स्किन टोन को फ्लॉन्ट करती है तो हर किसी का दिल जीत है। सुहाना को अक्सर नो मेकअप लुक के साथ कैप्चर किया जाता है, जो उन्हें और भी खूबसूरत बनाता है। अगर आपका स्किन टोन भी डस्की है तो चेहरे पर यूज होने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट को त्वचा के रंग के हिसाब से ही चुनें। इससे स्किन स्मूथ भी दिखती है और चेहरा नेचुरली ग्लो भी करेगा।

संक्षिप्त

लाओस में भारत, आसियान व्यापार समझौते की समीक्षा वार्ता की प्रगति पर गौर करेंगे गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल लाओस यात्रा के दौरान वस्तुओं पर भारत–आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए वार्ता की प्रगति पर गौर करेंगे। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। गोयल शुक्रवार से लाओस के वियनतियाने की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। वह 21वीं आसियान–भारत आर्थिक मंत्रियों (एईएम–भारत) की बैठक और 12वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आर्थिक मंत्रियों की बैठक (ईएएस ईएमएम) में हिस्सा लेने के लिए इस यात्रा पर हैं। आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) की अपने वार्ता साझेदारों के साथ ये वार्षिक बैठकें इस वर्ष के आसियान अध्यक्ष लाओस द्वारा आयोजित की जा रही हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा, '' एईएम–भारत बैठक में मंत्री आसियान–भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए वार्ता की प्रगति पर गौर करेंगे। '' इसमें कहा गया, इसमें भारत की प्राथमिकता इसे अधिक उपयोगकर्ता–अनुकूल, सरल तथा व्यवसायों के लिए व्यापार–सुविधाजनक बनाने की है। गोयल दो संस्थागत बैठकों के अलावा इसमें हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। आसियान, भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है, जिसकी भारत के वैश्विक व्यापार में करीब 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आसियान के सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

मुकेश अंबानी ने खरीदा सबसे महंगा जेट, जानें कीमत और स्पेसिफिकेशन

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार है। मुकेश अंबानी के पास बेशुमार संपत्ति है।

इस संपत्ति में ही उन्होंने एक और शानदार व लक्जरी संपत्ति जोड़ ली है। मुकेश अंबानी ने भारत का पहला बोइंग 737 मैक्स 9 खरीदा है। इसके साथ ही ये किसी भारतीय उद्योगपति के पास होने वाला सबसे महंगा प्राइवेट जेट बन गया है। फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार, 9.2 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ, अंबानी उच्च–स्तरीय अधिग्रहणों के लिए कोई अजनबी नहीं हैं। उनकी नवीनतम खरीद, बोइंग 737 मैक्स 9, का आधार मूल्य 118.5 मिलियन डॉलर (लगभग 987 करोड़ रुपये) है। हालांकि, टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, कस्टम संशोधनों और रेट्रोफिटिंग के बाद कुल लागत 1,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

बोइंग 737 मैक्स 9 की विशेषताएं

बोइंग 737 मैक्स 9, जो अपनी बेहतर रेंज और आराम के लिए जाना जाता है, अपने पूर्ववर्ती बोइंग मैक्स 8 की तुलना में विशाल केबिन और अधिक कार्गो क्षमता का दावा करता है। दो सीएफएमआई लीप–1बी इंजन से सुसज्जित यह जेट एक ही यात्रा में 6,355 समुद्री मील (11,770 किमी) की प्रभावशाली दूरी तय कर सकता है। गति, विलासिता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का संयोजन इसे विश्व स्तर पर शीर्ष निजी जेटों में से एक बनाता है।

अंबानी का बढ़ता जेट कलेक्शन

यह नवीनतम अधिग्रहण अंबानी के निजी विमानों के पहले से ही प्रभावशाली बेड़े में शामिल हो गया है। इस बिजनेस दिग्गज के पास नौ अन्य जेट विमान भी हैं, जिनमें एक बॉम्बार्डियर ग्लोबल 6000, दो डसॉल्ट फाल्कन 900 और एक एम्ब्रेयर ईआरजे–135 शामिल हैं। लक्जरी विमानन के प्रति उनका रुझान सर्वविदित है, तथा बोइंग 737 मैक्स 9 ने उच्च स्तरीय यात्रा की दुनिया में एक अग्रणी व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है।

सेबी ने अगले आदेश तक एक्सिस कैपिटल को मर्चेंट बैंकर के तौर पर नया काम लेने से रोका

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक्सिस कैपिटल को अगली सूचना तक मर्चेंट बैंकर के तौर पर नया काम लेने से रोक दिया। एक्सिस कैपिटल पर यह कार्रवाई सोजो इन्फोटेल के गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) को छुड़ाने के लिए गारंटी देने के मामले में की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने अंतरिम आदेश में कहा, ''एक्सिस कैपिटल ने अंडरराइटिंग (वित्तीय जानकारी के मूल्यांकन) की आड़ में एनसीडी भुनाने के लिए गारंटी दी जिसकी मौजूदा नियामकीय ढांचे में मंजूरी नहीं थी।'' नियामक ने कहा, ''इस तरह की गतिविधि वित्तीय प्रणाली के लिए जोखिम पैदा करती है क्योंकि यह संभावित रूप से बाजार के व्यवस्थित कामकाज को बाधित कर सकती है।'' नियामक ने अपने निरीक्षण में पाया गया कि एक्सिस कैपिटल ने सोजो इन्फोटेल प्राइवेट लिमिटेड के एनसीडी को छुड़ाने के लिए गारंटी प्रदान की थी जिसकी मर्चेंट बैंकरों को अनुमति नहीं है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने एक्सिस कैपिटल की गारंटी के आधार पर सोजो इन्फोटेल के एनसीडी की रेटिंग की। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने अपने अंतरिम आदेश में कहा, ''एसीएल को अगले आदेश तक ऋण खंड में प्रतिभूतियों की बिक्री के लिए किसी भी निर्गम/ पेशकश के लिए मर्चेंट बैंकर, अरेंजर या अंडरराइटर की क्षमता में नए काम लेने से रोका जाता है।'' इसके साथ ही सेबी ने इस आदेश में उल्लिखित टिप्पणियों का 21 दिन के भीतर जवाब देने का एक्सिस कैपिटल को निर्देश दिया है।

ट्रेविस हेड की आंधी में उड़ा इंग्लैंड, ब्रूक की टीम नहीं बचा सकी 315 रन, लाबुशेन भी

नॉटिंघम। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया। नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की पूरी टीम 49.4 ओवर में 315 रन पर सिमट गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 44 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ट्रेविस हेड ने एक और तूफानी पारी खेली। वह 154 रन बनाकर नाबाद रहे और कंगारुओं की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा मार्नस लाबुशेन ने भी शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ साथ नाबाद 77 रन भी बनाए। सीरीज का अगला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

315 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। कप्तान मिचेल मार्श सस्ते में आउट हो गए थे। उन्होंने 10 रन बनाए। इसके बाद हेड ने स्टीव स्मिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी निभाई। स्मिथ 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हेड ने कैमरन ग्रीन के साथ मिलकर 73 रन की साझेदारी निभाई। ग्रीन भी 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। हेड ने लाबुशेन के साथ मिलकर 148 रन की मैच जिताऊ साझेदारी निभाई। इस दौरान हेड ने वनडे करियर का छठा शतक लगाया। वह 129 गेंद पर 20 चौके और पांच छक्के की मदद से 154 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119. 38 का रहा। लाबुशेन ने 61 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 77 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से मैथ्यू पॉट्स, लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल ने एक–एक विकेट लिए।

डकेट के 95 रन, इंग्लैंड 315 रन पर सिमटा

न डकेट (95 रन) और विल जैक्स (62 रन) के अर्धशतक की बदौलत इंग्लैंड ने बृहस्पतिवार को यहां पांच वनडे की श्रृंखला के पहले मैच में आस्ट्रेलिया को 316 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की टीम ने 32 ओवर में दो विकेट पर 211 रन बना लिये थे लेकिन टीम 49.4 ओवर में 315 रन पर सिमट गई। डकेट ने 91 गेंद में 11 चौके जड़े जबकि जैक्स ने अपने तीसरे अर्धशतक के लिए 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी के दौरान पांच चौके और दो छक्के जड़े। कप्तान हैरी ब्रूक ने 39 और जैकब बेथेल ने 35 रन की पारी खेली। आस्ट्रेलिया के लिए एडम जम्पा और मार्नस लाबुशेन ने तीन तीन विकेट झटके। ट्रेविस हेड ने दो विकेट प्राप्त किये।

इस मैच में बने रिकॉर्ड्स

लाबुशेन किसी एक वनडे मैच में 50+ रन बनाने, तीन से ज्यादा विकेट लेने और चार से ज्यादा कैच लेने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड की पारी के दौरान डकेट, ब्रूक, बेथेल और आर्चर के कैच लिए। यह वनडे में ऑस्ट्रेलिया द्वारा हासिल किया गया पांचवां सबसे बड़ा लक्ष्य है। इतना ही नहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की यह वनडे में लगातार 13वीं जीत रही। ऑस्ट्रेलिया का अक्तूबर 2023 से वनडे में जीत का सिलसिला जारी है। वनडे में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड भी ऑस्ट्रेलिया के नाम है। उन्होंने जनवरी 2003 से लेकर मई 2003 तक लगातार 21 मैच जीते थे।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले हेजलवुड का बयान, कहा– जायसवाल और गिल के खिलाफ योजना बनाने पर हमारा ध्यान होगा

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि उनकी टीम बॉर्डर–गावस्कर श्रृंखला के दौरान यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का मुकाबला करने के लिए रणनीति तैयार करने पर अधिक ध्यान देगी क्योंकि उनकी टीम ने इन युवा भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ बहुत कम क्रिकेट खेला है। पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर श्रृंखला 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर अपना प्रभुत्व बरकरार रखना चाहेगा तो वही घरेलू सरजमीं पर 2018–19 और 2020–21 में लगातार हार का सामना करने के बाद ऑस्ट्रेलिया अपनी मजबूत गेंदबाजी के दम पर पलटवार करना चाहेगा। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ जायसवाल और गिल पिछले कुछ समय में भारत के शीर्ष बल्लेबाज बन कर उभरे है। हेजलवुड ने 'स्टार स्पोर्ट्स कहा, '' हमारी रणनीति संभवतः उन नए खिलाड़ियों पर अधिक केंद्रित है जिनके खिलाफ हमने ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, जैसे (यशस्वी) जायसवाल और यहां तक घ्घकि शुभमन गिल के खिलाफ भी हमने कम खेला है।'' कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के साथ ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाजी आक्रमण तिकड़ी में शामिल हेजलवुड ने कहा, ''हमने वर्षों तक विराट (कोहली), रोहित (शर्मा) और अन्य के खिलाफ खेला है, इसलिए हम जानते हैं कि क्या करना है। हमारी योजना वास्तव में ज्यादा नहीं बदलती है। यह बुनियादी बातों के बारे में है। हम लंबे समय से उनका सामना कर रहे है।''

बांग्लादेश के खिलाफ अश्विन को नहीं मिला विकेट, 8 साल में पहली बार हुआ ऐसा

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में बल्ले से बेहतरीन कमाल किया। जिस पिच पर भारत के टॉप बल्लेबाज नहीं टिक पाए वहां अश्विन ने बल्ले से शतक लगाया। वह पहली पारी में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। लेकिन वह गेंदबाजी में कुछ कमाल नहीं दिखा पाए और खाली हाथ रहे। अश्विन ने बल्ले से तो कमाल किया लेकिन गेंद से बांग्लादेश बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाने में असफल रहे। बांग्लादेश की पहली पारी में अश्विन के खाते में एक भी विकेट नहीं आया। भारत की पहली पारी में 376 रन के स्कोर के जवाब में बांग्लादेश केवल 149 रन बनाकर आउट हो गई। इसमें अश्विन के हाथ एक भी विकेट नहीं आया। 8 साल में ये पहला मौका था जब चेन्नई में अश्विन पहली पारी में खाली हाथ रहे। इससे पहले साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ऐसा हुआ था जब अश्विन पूरे मैच में विकेट नहीं झटक पाए थे।

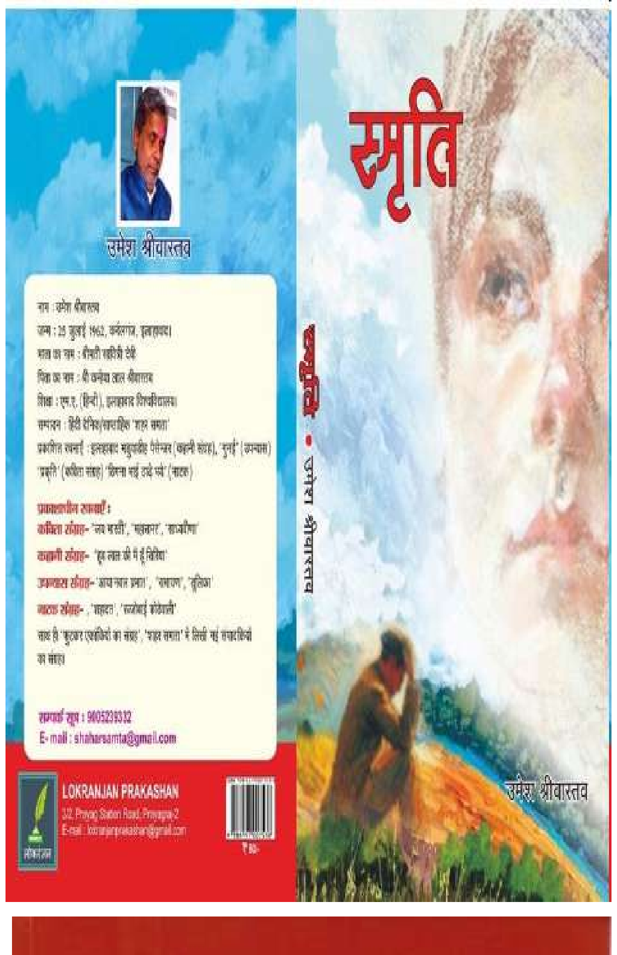

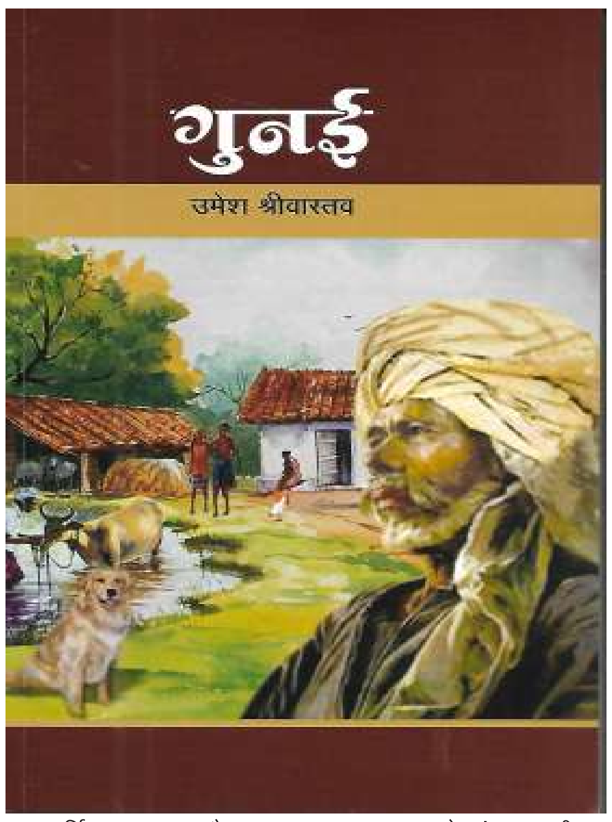

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

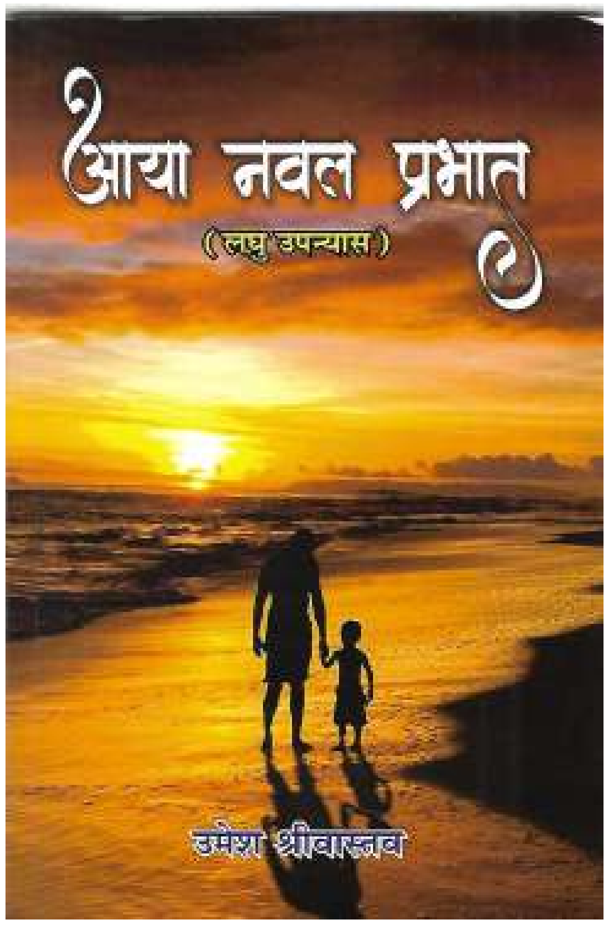

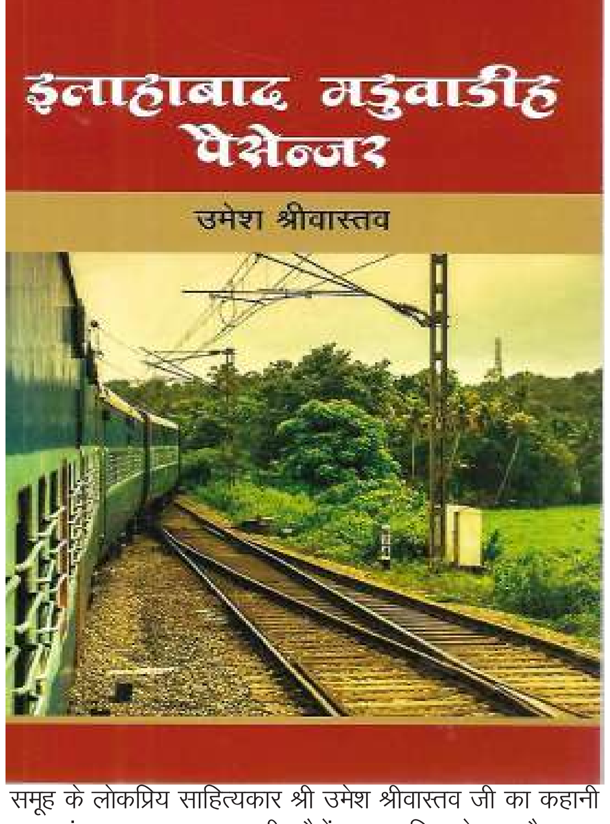

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

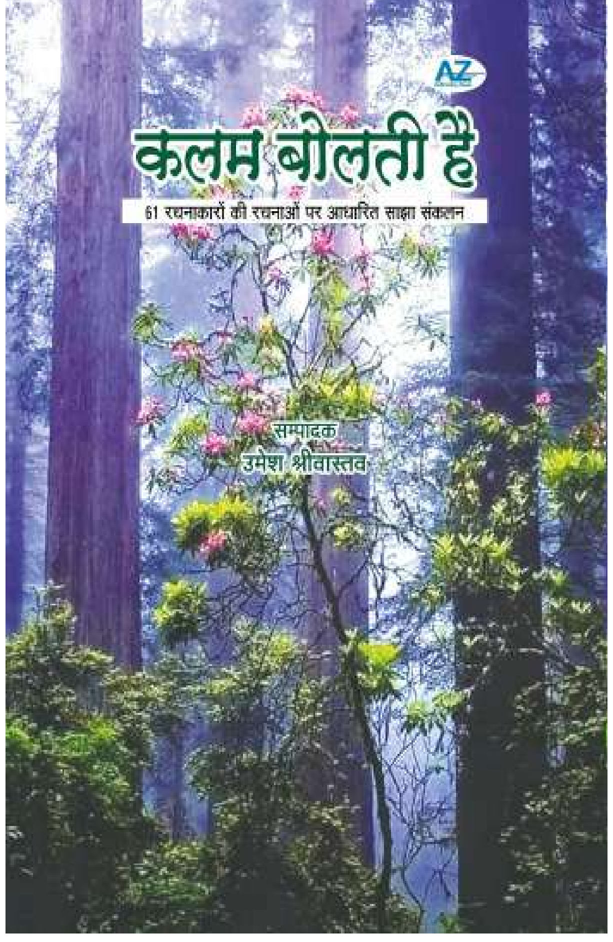

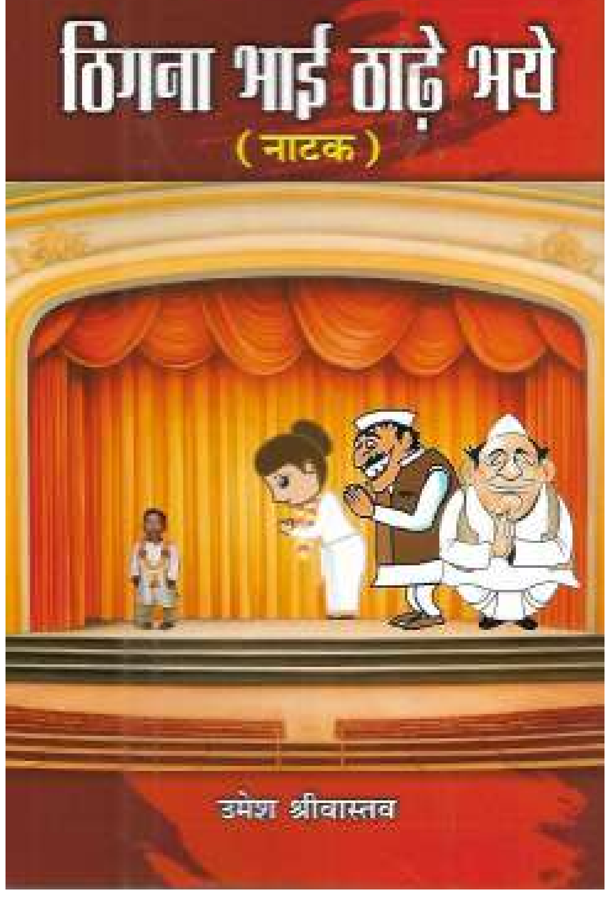

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

राजा कृष्णमूर्ति ने मिशिगन में कमला हैरिस के पक्ष में चुनाव प्रचार किया

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के पक्ष में मिशिगन में चुनाव प्रचार किया। मिशिगन में वैसे तो भारतीय अमेरिकी समुदाय की आबादी बेहद कम है लेकिन वे बहुत करीबी मुकाबले वाले चुनावी में बड़ा अंतर ला सकते हैं। कृष्णमूर्ति इलिनोइस से सांसद हैं, उन्होंने सप्ताहांत राज्य की

राजधानी डेट्रोइट में बिताया और हैरिस के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान कृष्णमूर्ति एक मंदिर सहित विभिन्न पूजा स्थलों पर भी गए। कृष्णमूर्ति ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा, '' पहले दक्षिण एशियाई राष्ट्रपति के लिए हमारे समुदाय में उत्साह होना बहुत स्वाभाविक है।'' उन्होंने कहा, ''मैं पूरे देश में और इलिनोइस राज्य में यात्रा करना जारी रखूंगा ताकि कमला हैरिस को अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुने जाने की दिशा में मैं हर संभव सहयोग कर सकूं।

हिज्बुल्ला को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी : इजराइल के रक्षा मंत्री

इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिज्बुल्ला को 'बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।' गैलेंट की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हिज्बुल्ला और इजराइल ने एकदूसरे पर हमले किये हैं। हिज्बुल्ला के नेता हसन

नसरल्ला ने लेबनान में बड़े पैमाने पर बमबारी के लिए इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई का संकल्प लिया है। गैलेंट ने कहा, ''हमारा लक्ष्य इजराइल के उत्तरी हिस्से के लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। जैसे–जैसे समय बीतता जाएगा, हिजबुल्ला को और ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। हमारी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।

लेबनान में हमलों के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, विभिन्न एयरलाइंस ने रद्द की उड़ानें

तेल अवीव। लेबनान में पेजर्स और वॉकी टॉकी में हुए धमाकों और 30 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद पश्चिम एशिया का तनाव और ज्यादा बढ़ गया है। इस्राइल हमास युद्ध के चलते पहले ही तनाव काफी ज्यादा था, अब लेबनान की घटनाओं ने इस तनाव को कई गुना बढ़ा दिया है। यही वजह है कि हालात को देखते हुए विभिन्न एयरलाइंस ने पश्चिम एशिया में अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। आइए जानते हैं कि किन एयरलाइंस ने पश्चिम एशिया में अपनी उड़ानें रद्द की हैं।

एयर अलजीरी

अल्जीरिया की एयरलाइन एयर अलजीरी ने लेबनान के लिए अपनी उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने अगले

आदेश तक सेवाएं रद्द रखने का फैसला किया है।

एयर फ्रांस–केएलएम

एयर फ्रांस ने 17 सितंबर से बेरुत और तेल अवीव को जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं केएलएम ने तेल अवीव से उड़ान भरने वाली सभी उड़ानें 26 अक्तूबर तक रद्द कर दी हैं। ट्रांसविया एयरलाइन ने भी 31 मार्च 2025 तक तेल अवीव जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं बेरुत जाने वाली फ्लाइट्स तीन नवंबर तक बंद कर दी गई हैं।

एयर इंडिया

भारतीय एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने भी अगले आदेश तक तेल अवीव जाने वाली सभी उड़ानें रद्द की हुई हैं।

कैथे पैसिफिक

हॉन्ग कॉन्ग की एयरलाइन कैथे पैसिफिक ने तेल अवीव जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 27 मार्च 2025 तक रद्द कर दी हैं।

डेल्टा एयर लाइंस

अमेरिकी एयरलाइंस डेल्टा एयरलाइंस ने न्यूयॉर्क से तेल अवीव के बीच चलने वाली फ्लाइट्स को 31 दिसंबर तक रद्द कर दिया है।

ईजी जेट

ब्रिटेन की बजट एयरलाइन ने भी तेल अवीव की सभी उड़ानें इस साल अप्रैल में रद्द कर दीं थी और अब ये उड़ानें 30 मार्च 2025 को फिर से शुरू होंगी।

एयर बाल्टिक

लातविया की एयरलाइन एयर बाल्टिक ने भी पश्चिम एशिया में अपनी रिगा से तेल अवीव के बीच चलने वाली उड़ान सेवाओं को रद्द किया हुआ था। अब हालात देखते हुए उड़ान सेवाओं के जल्द बहाल होने की उम्मीद कम है।

लुफ्तांसा ग्रुप

जर्मनी की एयरलाइन लुफ्तांसा ग्रुप ने भी तेल अवीव और तेहरान जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने बीती 5 सितंबर को ही तेल अवीव की उड़ान शुरू की थी। वहीं बेरुत के लिए सभी उड़ानें 30 सितंबर तक बंद रहेंगी। इनके अलावा यूरोप की बजट एयरलाइन रेनेयर, जर्मनी की संडेयर एयरलाइन, शिकागो स्थित यूनाइटेड एयरलाइन ने भी तेल अवीव की उड़ानें रद्द कर दी हैं। ब्रिटेन की सरकार ने भी अपनी एयरलाइंस को एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि वे लेबनान के हवाई क्षेत्र में दाखिल न हो। यह एडवाइजरी 8 अगस्त से लेकर 4 नवंबर तक जारी की गई थी।

'हम उनसे मिलने के लिए उत्सुक', अमेरिका में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को पीएम मोदी का बेसब्री से इंतजार

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी यहां क्वॉड शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले हैं। दरअसल, इस साल क्वॉड शिखर सम्मेलन की मेजबानी अमेरिका कर रहा है। इस दौरान पीएम मोदी कई विदेशी साझेदारों से बातचीत करेंगे। वह अमेरिका में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे। पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे पर वहां रह रहे भारतीय प्रवासियों ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। बच्चों से लेकर बुढ़ों तक सभी पीएम मोदी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं भारतीय प्रवासी

अमेरिका में भारतीय प्रवासी के सदस्य प्रकाश शांतिलाल पटेल ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, ''हम पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। वे देश के बेहतरीन प्रधानमंत्रियों में से एक हैं और पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इसलिए हम उत्सुक हैं। गुजराती समुदाय के पांच से दस हजार लोग उनसे मिलना चाहते हैं। अगर हमें मौका मिला तो हम उनसे बात करना चाहेंगे।'' भारतीय प्रवासी का बच्चा आरव वर्मा ने कहा, ''मैं पीएम मोदी को देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मैं उनसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने देश के लिए बहुत अच्छे काम किए। वे मेरे पसंदीदी नेताओं में से एक हैं।'' न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासी के सदस्य भी पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। भारतीय प्रवासी की सदस्य मधुलिका ने

पीएम मोदी का अमेरिका में स्वागत करते हुए कहा, नमस्ते मोदी जी। आपका अमेरिका और न्यूयॉर्क में स्वागत है। आपने भारत के लोगों के लिए जो भी महत्वपूर्ण कार्य किए, उसके लिए आपका धन्यवाद। हम इतने दूर बैठ हैं, लेकिन फिर भी हमें उनपर गर्व है। गर्व करना कम बात नहीं है। मैं अपनी आने वाली पीढ़ियों, अपने परिवार और दोस्तों को शिक्षित करना चाहती हूं और मैं उन्हें आप जैसे महान नेता के बारे में बताना चाहती हूं। आपने हमारे लिए जो भी कुछ किया, उसके लिए आपका धन्यवाद। पीएम मोदी को अपना पसंदीदा नेता बताते हुए अमेरिका निवासी विधि ने कहा, हम उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। मुझे लगता है कि वह मेरे सर्वकालिक पसंदीदा नेता हैं। मैं अपने परिवार के साथ उनसे मिलने जाऊंगी।

24 हजार लोगों ने पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कराया पंजीकरण

पीएम मोदी 22 सितंबर को भारतीय प्रवासियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिका दौरे के दौरान पीएम मोदी क्वॉड शिखर सम्मेलन में शामिल होने के साथ समिट ऑफ द फ्यूचर को भी संबोधित करेंगे। 24 हजार से अधिक भारतीय–अमेरिकियों ने 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलिजियम में पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने कि लिए पंजीकरण कराया। बता दें कि यहां केवल 15 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। इस कार्यक्रम का शीर्षक है मोदी और अमेरिका प्रगति एक साथ। भारत 2025 में अगले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

कहीं फोन ना फट जाए! इजरायल ने ऐसा डराया, मोबाइल से बैटरी निकाल रहे हैं लोग

इजरायल ने आतंकियों को मारने का ऐसा नायाब फॉर्मूला निकाल लिया है जो किसी का भी दिमाग हिला कर रख देगा। इजरायल पहले करके दिखाता है उसके बाद दुनिया सोचना शुरू करती है कि आखिर ये हुआ कैस? इजरायल की खुफिया एजेंसी ने लेबनान में हिजबुल्ला के हजारों आतंकियों के साथ जो किया है वो बेस्ट सीक्रेट ऑपरेशन की किताब में सबसे आगे लिखा जाएगा। इजरायल ने दुनिया को भी दिखा दिया कि आतंकियों का सफाया कैसे किया जाता है। इजरायल ने डैमो देकर आतंकियों का तगड़ा ईलाज बता दिया है। आलम ये हो गया है कि लेबनान में चारों तरफ खौफ का माहौल नजर आ रहा है। पेजर और वॉकी टॉकी में विस्फोट के बाद तो लोग अपने मोबाइल की बैटरी

निकाल कर रकने लगे हैं कि कहीं इसमें ही धमाका न हो जाए। दरअसल, जिस परेशानी से भारत समेत कई सारे दुनिया के देश जूझ रहे हैं। कमोबेश वही परेशानी इजरायल को भी थी। आतंकियों के कम्युनिकेशन नेटवर्क को ट्रैक करना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। यही दिक्कत हमास के हमले के बाद इजरायली सेना को भी आई थी। इजरायल एक खुफिया मैसेज मिला की हमास के हमले के बाद लेबनान का हिजबुल्ला भी एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। लेकिन इसकी पुख्ता जानकारी और हिजबुल्ला के आतंकियों की सटीक लोकेशन नहीं मिल पा रही थी। इसलिए इजरायल ने असंभव सा लगने वाला काम शुरू कर दिया। मोसाद को जानकारी मिली ही हिजबुल्ला के आतंकी कम्युनिकेशन के लिए सेल फोन की जगह पेजर का इस्तेमाल शुरू कर रहे हैं। इसके तुरंत बाद मोसाद एक्शन में जुट गया और उस कंपनी को ढूढ़ निकाला जिसे लेबनान में पेजर सप्लाई करने थे। फिर हजारों पेजर में विस्फोटक फिट कर दिए गए। इस्राइल के वॉर के नए फेज की घोषणा और लेबनान बॉर्डर पर दोनों तरफ से किए जा रहे हमले लेबनान में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणो मे सीरियल ब्लास्ट के साथ ही इस्राइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध का खतरा बढ़ गया है। अब इस संघर्ष के कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें तेजी से खत्म होती दिख रही है। इस्राइल ने साफ कहा है कि अब उसका फोकस नॉर्थ की तरफ है।

लेबनान को पूरी तरह तबाह करने के मूड में इजरायल, 2 घंटे में किए 100 हवाई हमले

इजरायल ने लेबनान पर दो घंटे से भी कम समय में 100 हवाई हमले किए हैं। इस आक्रमक कार्रवाई से इलाके में युद्द के हालात बने हुए हैं। इजरायल की सैन्य कार्रवाई किसी बड़े युद्ध की शुरुआत का संकेत भी हो सकती है। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव ने पूरा इलाके में माहौल को गर्मा दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस घटना ने चिंता में डाल दिया है। दरअसल, कुछ दिनों पहले इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर पहले पेजर, फिर वॉकी टॉकी से अटैक किया और फिर हमले का सिलसिला थमा नहीं है। हवाई हमले भी लगातार किए जा रहे हैं। ऐसे में इजरायल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध और गर्माने की आशंका काफी बढ़ गई है। अब लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाने का काम इजरायल की तरफ से किया

जा रहा है और 2 घंटे के भीतर ही 100 से ज्यादा एयर स्ट्राइक के जरिए उसने अपनी मंशा दुनिया को बता दी है। हिज्बुल्लाह ने भी रात से अपने हमले जारी रखे है। हिज्बुल्लाह का दावा है कि उसने इजरायल के कई आर्मी पोस्ट को निशाना बनाया है। वहीं इजरायल का कहना है कि हिज्बुल्लाह ने आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया, जिसका उसे जवाब मिलेगा। हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्ला ने लेबनान में बड़े पैमाने पर बमबारी के लिए इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई का संकल्प लिया है। इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि हमारा लक्ष्य इजराइल के उत्तरी हिस्से के लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। जैसे–जैसे समय बीतता जाएगा, हिजबुल्ला को और ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। हमारी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। हमारा लक्ष्य इजराइल के उत्तरी हिस्से के लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। जैसे–जैसे समय बीतता जाएगा, हिजबुल्ला को और ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। हमारी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।

यूक्रेन पहुंचे भारत के हथियार, रूस हो गया इससे नाराज, विदेश मंत्रालय ने मीडिया रिपोर्ट को बताया भ्रामक

भारत के हथियार निर्माता जो हथियार यूरोप को बेच रहे हैं, वो यूरोप के जरिए यूक्रेन पहुंच रहा है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि रूस भारत के इस कदम से नाराज हो गया है। हालांकि अब भारत ने मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया किया गया था कि भारतीय हथियार निर्माताओं द्वारा बेचे जाने वाले तोप के गोले यूरोपीय ग्राहकों द्वारा यूक्रेन भेजे गए हैं। मॉस्को ने इस

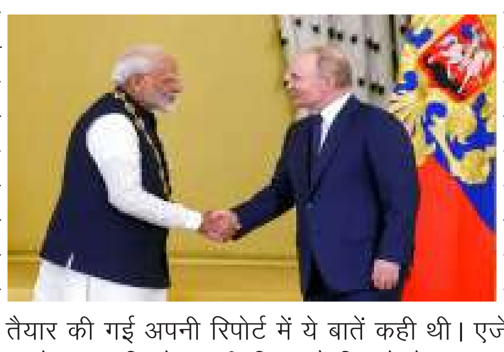

बावजूद नई दिल्ली ने यूक्रेन से हथियारों पहले आज, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने और रक्षा उद्योग के अधिकारियों के हवाले प्रतिक्रिया देते हुए, विदेश मंत्रालय ने दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर बयान में कहा ति इसमें भारत द्वारा ऐसा कुछ भी नहीं है और इसलिए यह समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भारतीय और पर ऐतराज जताया था। लेकिन इसके के व्यापार को नहीं रोका है। इससे ग्यारह भारतीय और यूरोपीय सरकार से रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट पर इसे अटकलबाजी और भ्रामक करार जायसवाल ने गुरुवार को जारी एक उल्लंघन का संकेत मिलता है, जबकि गलत और शरारतपूर्ण है। दरअसल, यूरोपीय सरकार, रक्षा उद्योग के अधिकारियों से बातचीत के आधार पर तैयार की गई अपनी रिपोर्ट में ये बातें कही थी। एजेंसी ने दावा किया था कि अधिकारियों से बात करने के साथ–साथ सीमा शुल्क डेटा का विश्लेषण भी किया है जिसमें ये बात सामने निकलकर आई है।

मालदीव को फिर दी बड़ी आर्थिक मदद, विदेश मंत्री मूसा जमीर भारत की दरियादिली के हुए मुरीद

माले। भारत ने एक बार फिर मालदीव की सरकार को बड़ी आर्थिक मदद देते हुए पांच करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। मालदीव सरकार की अपील पर भारत ने यह कदम उठाया। मालदीव में भारतीय उच्चायुक्त ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 'मालदीव सरकार की अपील पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मालदीव के वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी ट्रेजरी बिल्स की मैच्योरिटी एक साल के लिए बढ़ा दी है। पहले इनकी मैच्योरिटी 19 सितंबर को होनी थी।'

इस साल में मालदीव को दूसरी आर्थिक मदद

गौरतलब है कि मई में भी मालदीव सरकार के विशेष अनुरोध पर पांच करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल के पहले रोलओवर को मंजूरी दी थी। इस तरह इस साल यह भारत सरकार का मालदीव के लिए दूसरा रोलओवर है। भारतीय उच्चायोग ने मालदीव को भारत का प्रमुख पड़ोसी और भारत की श्पड़ोसी पहलेश नीति के तहत महत्वपूर्ण साझेदार बताया। उच्चायोग ने कहा कि भारत ने जरूरत के समय में मालदीव की सहायता की है और ट्रेजरी बिल का एक साल के लिए रोलओवर बढ़ाना मालदीव के लोगों और वहां की सरकार के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दर्शाता है।

मालदीव के विदेश मंत्री ने की भारत की तारीफ

भारत की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मालदीव के विदेश मंत्री मूसा ज़मीर ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के प्रति आभार जताया और कहा है कि श्भारत सरकार की घोषणा मालदीव और भारत के बीच दोस्ती के स्थायी संबंध को प्रदर्शित करती है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में ज़मीर ने कहा, श्मालदीव को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के रूप में महत्वपूर्ण बजटीय सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और भारत सरकार का हार्दिक आभार। यह उदार भाव मालदीव और भारत के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन को दर्शाता है।श मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही मालदीव और भारत के संबंधों में काफी उतार–चढ़ाव देखा गया है। मुइज्जू ने अपने शपथग्रहण के कुछ समय बाद ही मालदीव से भारतीय सैनिकों को निकालने का अल्टीमेटम दे दिया था। हालांकि हाल के समय में मुइज्जू सरकार के रुख में नरमी आई है और उसने भारत के साथ अपने विवाद को सुलझाने की कोशिश की है। हाल के समय में मुइज्जू कई बार भारत का दौरा कर चुके हैं। वहीं बीते दिनों भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी मालदीव का दौरा किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।